DE GROUP
We Define Estate

Gandivaranchi
बिरसा का गांडीव

injection.care
PHARMACY
+91 95070 00009 | injection.care

रांची, अगहन, शुक्ल पक्ष, सप्तमी 2082 | गुरुवार, 27 नवंबर 2025, मूल्यः ₹2, वर्ष : 7, अंकः 13 | RNI NO : JHABIL/2019/85684 | TOTAL PAGE-08 | www.gandivlive.com

हांगकांग में इमारत में लगी भीषण आग, 55 की मौत

280 लोग अभी भी लापता, ठेकेदार समेत तीन गिरफ्तार

GANDIV REPORTER

हॉन्गकॉन्ग। हॉन्गकॉन्ग के ताई पो जिले में बुधवार को एक बड़े रिहायशी कॉम्प्लेक्स में आग लग गई। यह 77 साल में लगी सबसे भीषण आग बताई जा रही है। इस हादसे में अब तक 55 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 76 गंभीर रूप से घायल हैं। वहीं, 279 लापता हैं। ये कॉम्प्लेक्स आठ इमारतों का था, जिनमें हर इमारत 35 मंजिलों की थी। इसमें करीब दो हजार अपार्टमेंट थे। वांग फुक कोर्ट के ये टावर बांस की मचान

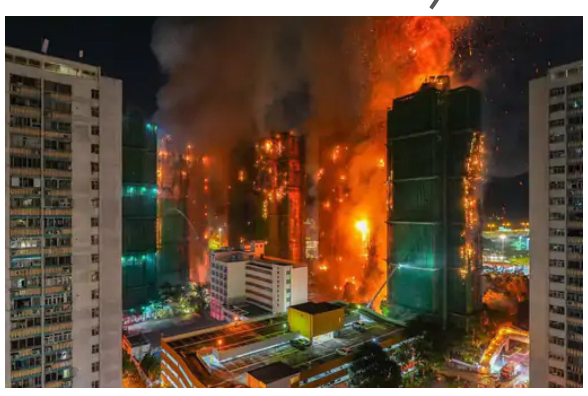

से ढके हुए थे। चार इमारतों में लगी आग पर लगभग 10 घंटे बाद सुबह तक काबू पा लिया गया। तीन इमारतों में आग पर 20 घंटे बाद भी काबू नहीं पाया जा सका है। मामले में पुलिस ने ठेकेदार समेत तीन लोगों को गिरफ्तार भी किया है। इन पर आग के मामले में लापरवाही या गैर-इरादतन हत्या का शक जताया गया है। पुलिस ने इनके बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी है। वहीं, 7 दिसंबर को होने वाले चुनाव से

हॉन्गकॉन्ग मीडिया साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के अनुसार यह आग 77 साल में सबसे भीषण आग है। इससे पहले 1948 में पांच मंजिला गोदाम में विस्फोट हुआ था। इसमें 176 लोग मारे गए थे । इसके बाद 1962 में शुई पो इलाके में लगी आग में लगभग 44 लोगों की मौत हो गई थी। वहीं, नवंबर 1996 में कोवलून में गार्ले बिल्डिंग में आग लगने से 41 लोग मारे गए थे और 81 घायल हुए थे।

तेज हवा और जलते हुए मलबे की वजह से लपटें एक इमारत से दूसरी इमारत तक फैलती चली गईं। जब आग भड़की, तो कई लोगों को इसकी भनक तक नहीं लगी क्योंकि मरम्मत की वजह से खिड़कियां बंद थीं। आग बुझाने पहुंची टीम को भी काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

राजधानी में टीम इंडिया की तैयारी तेज, स्टेडियम में शुरू हुई प्रैक्टिस

GANDIV REPORTER

रांची। राजधानी में 30 नवंबर को होने वाले भारत-दक्षिण अफ्रीका वनडे मैच को लेकर टीम इंडिया ने आज से अपनी तैयारी शुरू कर दी है। जो खिलाड़ी कल तक रांची पहुंच चुके थे, वही आज जेएससीए इंटरनेशनल स्टेडियम परिसर में प्रैक्टिस में उतरे। बाकी खिलाड़ियों की टीम आज शाम रांची पहुंचेगी और वे कल से अपना अभ्यास शुरू करेंगे।

आज हुए नेट सेशन में खिलाड़ियों ने फिटनेस से लेकर बैटिंग-बॉलिंग तक सभी पहलुओं पर जमकर पसीना बहाया।

टीम के कप्तान रोहित शर्मा नेट्स में लंबे समय तक बल्लेबाजी करते दिखे। उनके सामने राज्य के तेज और स्पिन गेंदबाजों ने गेंदबाजी कराई, ताकि वे मैच के लिए अच्छी लय में आ सकें। रोहित ने नेट्स में ड्राइव, पुल और बैकफुट शॉट्स पर खासतौर पर फोकस किया।

रांची के लालपुर में टोटो सवार से 1.30 लाख की छिनतई

GANDIV REPORTER

रांची। लालपुर थाना क्षेत्र में गुरुवार को लूट की एक वारदात हुई। बाइक सवार दो अपराधियों ने एक व्यक्ति से 1.30 लाख रुपये से भरा बैग छीन लिया और मौके से फरार हो गए। पीड़ित व्यक्ति यह राशि कोकर स्थित एक बैंक से निकालकर टोटो से अपने घर जा रहा था। जैसे ही टोटो लालपुर थाना के पास पहुंची, उसी दौरान पीछे से आए बाइक सवार दो अपराधियों ने टोटो को ओवरटेक किया।

यहां बता दें कि जिस व्यक्ति से छिनतई की घटना हुई है, उसका नाम फिलोमोन बा है। वह मूल रूप से कोकर के पाहन टोली का रहने वाला है। वह बैंक ऑफ इंडिया कोकर शाखा से रुपया निकालकर जा रहा था। अपराधियों ने पलक झपकते ही टोटो बैठे फिलोमोन के हाथ से रुपयों से भरा थैला झपट्टा मारकर छीन लिया। घटना इतनी तेजी से हुई कि पीड़ित और आसपास के लोग कुछ समझ पाते, उससे पहले

ही अपराधी तेज रफ्तार बाइक से भीड़भाड़ वाले इलाके से फरार हो गए।

लूट की सूचना मिलते ही लालपुर थाना की पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने पीड़ित व्यक्ति से घटना की विस्तृत जानकारी ली है। पुलिस अब आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है ताकि अपराधियों की पहचान की जा सके और उनकी गिरफ्तारी सुनिश्चित हो सके। पुलिस को आशंका है कि अपराधी बैंक से ही पीड़ित का पीछा कर रहे थे।

हाइस्कूल शिक्षक नियुक्ति 2016 मामले में हाइकोर्ट का आदेश

सिंगल बेंच के फैसले के अनुरूप अन्य याचिकाकर्ता को मिलेगा लाभ

GANDIV REPORTER

रांची। झारखंड हाईकोर्ट के जस्टिस आनंद सेन की अदालत ने हाई स्कूल शिक्षक नियुक्ति परीक्षा 2016 की मेरिट लिस्ट को चुनौती देने वाली कई याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए बीते 1 सितंबर को सिंगल बेंच के द्वारा मीना कुमारी एवं अन्य के केस में दिए गए आदेश के साथ इसे भी प्रभावी माना है। न्यायालय के द्वारा दिए गए फैसले की जानकारी देते हुए शेखर कुमार गुप्ता ने बताया कि इस संबंध में बीते दिनों सिंगल बेंच ने मीना कुमारी एवं अन्य के केस में जो फैसला सुनाया था उसी में समाहित करने का आदेश जस्टिस आनंद सेन की अदालत ने दिया है। इस मामले में आज करीब 250 याचिका न्यायालय के समक्ष सूचीबद्ध थी, जिस पर फैसला सुनाते हुए कोर्ट ने केस को निष्पादित कर दिया है।

सिंगल बेंच का ये था आदेश : झारखंड हाईकोर्ट ने बीते एक सितंबर को मीना कुमारी एवं अन्य के केस में एक अहम फैसला सुनाते हुए हाईस्कूल शिक्षक नियुक्ति परीक्षा 2016 के लिए निकाले गए विज्ञापन में 2034 पद को रिट पिटिशनर के द्वारा भरने का आदेश दिया था। इस आदेश का आधार सुप्रीम कोर्ट के 2 अगस्त 2022 के जजमेंट को मानते हुए कोर्ट ने 2034 रिक्त पदों को भरने के लिए छह महीने की समय सीमा निर्धारित करते हुए आदेश दिया है। योग्य रिट पिटिशनर को आठ सप्ताह के अंदर एक प्रतिवेदन जेएसएससी के सेक्रेट्री को समर्पित करने का आदेश कोर्ट ने दिया था। न्यायालय के समक्ष सरकार के रिजोल्यूशन द्वारा बताया गया है कि दिनांक 23 फरवरी 2024 तक सिर्फ 8,171 पद ही भरे गए थे, जबकि जेएसएससी द्वारा विज्ञापन में 17,786 पद घोषित किए गए थे। कोर्ट ने कहा है कि इस मामले में सरकार रिजोल्यूशन का जवाब देने में असमर्थ रही। इसलिए वन मैन कमीशन गठित की जाएगी।

गठित कमीशन दोषी अधिकारियों के खिलाफ उचित कार्रवाई के लिए सरकार को सिफारिश करेगी। हालांकि सरकार ने वन मैन कमीशन बनाने की रुचि नहीं दिखाई और डबल बेंच में ही जाना उचित समझा। सरकार और जेएसएससी की ओर से डबल बेंच में दी गई चुनौती पर जल्द ही सुनवाई होने की संभावना है।

स्कूल बस अनियंत्रित, कई वाहनों को लिया चपेट में, सभी बच्चे सुरक्षित

GANDIV REPORTER

रांची। राजधानी रांची शहर के रातू रोड इलाके में गुरुवार को बड़ा हादसा टल गया। स्कूल बस चलाते समय बस का ड्राइवर अचानक बेहोश हो गया, जिसकी वजह से बस अनियंत्रित हो गई और एक पोल से जा टकराई। इस हादसे में कई वाहन क्षतिग्रस्त हो गए, गनीमत रही कि स्कूली बच्चों और सड़क पर चल रहे लोगों को कोई नुकसान नहीं हुआ।

रांची के रातू रोड इलाके में एक स्कूली बस की चपेट में आने

से कई दुपहिया वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। मौके पर मौजूद कुछ स्थानीय लोगों ने बताया कि अचानक एक तरफ तेजी के साथ मुड़ने लगा इससे पहले की लोग कुछ समझ पाए कई दो पहिया वाहन बस की चपेट में आ गए। गनीमत रही की बस एक पोल के पास जाकर टकरा गई जिसकी वजह से वह रुक गई। जिस समय हादसा हुआ बस में कई स्कूली बच्चे सवार थे। बताया जा रहा है कि स्कूल बस का ड्राइवर बस चलाते वक्त ही अचानक बेहोश हो गया था, जिसकी वजह से यह हादसा हुआ। बेहोशी की हालात में ही ड्राइवर को स्थानीय लोगों के द्वारा बस से उतार कर इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया।

बच्चे सुरक्षित सभी को भेजा घर : इस मामले की जानकारी मिलते ही सुखदेव नगर थाना के टीम और ट्रैफिक के जवान मौके पर पहुंचे और मामले को संभाला। स्कूली बच्चों के परिजनों को जब बस के बारे में जानकारी मिली तब वे भागे भागे मौके पर पहुचे और बच्चों को अपने साथ ले गए। सुखदेव नगर थाना प्रभारी अशोक कुमार ने बताया कि बस का चालक अचानक बेहोश हो गया था, जिसकी वजह से यह हादसा हुआ है, इस हादसे में कई वाहन क्षतिग्रस्त हुए हैं।

सरकार का एक साल : सीएस ने सीएम को दिया राज्यस्तरीय समारोह का न्योता

GANDIV REPORTER

रांची। हेमंत सोरेन सरकार ने अपने दूसरे कार्यकाल का एक साल पूरा कर लिया है और इस अवसर पर राज्य सरकार नियुक्ति वर्ष के रूप में मनाने जा रही है। 28 नवंबर को रांची के मोरहाबादी मैदान में आयोजित समारोह में लगभग 9000 युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए जाएंगे। मुख्य सचिव अविनाश कुमार ने गुरुवार को मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में सीएम हेमंत सोरेन से मुलाकात की।

इस अवसर पर मुख्य सचिव ने मुख्यमंत्री को 28 नवंबर को मोरहाबादी मैदान में राज्य सरकार की प्रथम वर्षगांठ के उपलक्ष्य में

आयोजित राज्यस्तरीय समारोह में सम्मिलित होने के लिए आमंत्रित किया। मोरहाबादी मैदान में नियुक्ति पत्र वितरण समारोह की तैयारी पूरी कर ली गई है। अभ्यर्थियों की नियुक्ति राज्य सरकार के अलग-अलग विभागों में की जाएगी, जिसकी सूचना अभ्यर्थियों के बीच भेज दी गई है। मोरहाबादी मैदान में बड़ा मंच बनाया गया है और 10 हजार लोगों के बैठने के लिए कुर्सियां भी लगाई जा रही हैं।

इंडोनेशिया खरीदेगा ब्रह्मोस भारत से मांगी क्रूज मिसाइल

GANDIV REPORTER

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान स्वदेशी ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल ने जिस तरह से पाकिस्तानी सैन्य और आतंकी ठिकानों में तबाही मचाई, उसके खरीदारी में दिलचस्पी रखने वाले देशों की संख्या दनादन बढ़ती जा रही है। दुनिया के सबसे बड़े मुस्लिम देश इंडोनिशिया के रक्षा मंत्री सजफ्री सजमसोएद्दीन के बुधवार को दो दिवसीय भारत यात्रा पर आने के बाद इन संभावनाओं को और बल मिला है कि वह भारत से ब्रह्मोस की डील को आगे बढ़ाकर ही लौटेंगे। वे भारत-इंडोनेशिया रक्षा मंत्रियों के तीसरे डायलॉग में हिस्सा लेने

पहुंचे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार ब्रह्मोस को लेकर इंडोनेशिया की भारत से हो रही बातचीत काफी एडवांस स्टेज में है। जानकारी के अनुसार रूस भी इंडोनेशिया को ब्रह्मोस बेचे जाने को लेकर सकारात्मक है। बता दें कि ब्रह्मोस को भारत और रूस ने संयुक्त रूप से विकसित किया है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सशस्त्र सेनाओं ने पाकिस्तान के खिलाफ जो कार्रवाई की थी।

कद नहीं किरदार बड़ा हो : तीन फीट के गणेश बने डॉक्टर

GANDIV REPORTER

नयी दिल्ली। कहते हैं ना कि कद नहीं किरदार बड़ा होना चाहिए। गुजरात के गणेश बरैया ने इसे साबित भी किया है। महज 3 फीट की लंबाई और 20 किलो वजन के गणेश अब डॉक्टर बन गए हैं। योग्यता के बावजूद कद कम होने की वजह से गणेश को सुप्रीम कोर्ट तक जंग लड़नी पड़ी। लेकिन ऊंची से ऊंची बाधा को पार करते हुए गणेश अपने मंजिल तक पहुंच गए हैं। अब उन्हें मेडिकल ऑफिसर के रूप में तैनाती मिल गई है।

25 साल के बरैया जन्म से ही बैनेपन के शिकार हैं। जिसके कारण उन्हें चलने-फिरने से संबंधित 72% विकलांगता है। चुनौती सिर्फ शरीर की कमजोरी नहीं आर्थिक किल्लत भी थी। भावनगर के गोरखी गांव में जन्मे गणेश 8 भाई बहन हैं।

शारीरिक रूप से गणेश जितने कमजोर

थे, मानसिक रूप से उतने ही मजबूत और तेज। बचपन से ही पढ़ाई में मेधावी गणेश ने 12वीं में 87 फीसदी अंक लाकर सबको चौंका दिया था। लेकिन यह शुरूआत भर थी। इसके बाद उन्होंने नीट की परीक्षा भी पास कर ली। लेकिन विकलांगताओं की वजह से 2018 में गुजरात सरकार ने उन्हें एमबीबीएस कोर्स में एडमिशन देने से इनकार कर दिया था।

कद की वजह से आई रुकावट से गणेश ने हार नहीं मानी। स्कूल के प्रिंसिपल की मदद से गणेश ने जिला कलेक्टर और शिक्षा मंत्री तक गुहार लगाई। इसके बाद वह अपनी समस्य लेकर गुजरात हाई कोर्ट पहुंचे। हाई कोर्ट से निराशा मिलने के बाद उन्होंने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। देश की सर्वोच्च अदालत ने उनके पक्ष में फैसला देते हुए एमबीबीएस में दाखिले का आदेश दिया। इसके बाद 2019 में उन्हें एमबीबीएस में दाखिला मिला।

डॉ. बरैया ने पिछले साल न्यूज साथ अपनी कहानी साझा करते हुए कहा था, 12वीं पास करने और एमबीबीएस में दाखिले के लिए नीट परीक्षा क्वालिफाई करने के बाद जब मैंने फॉर्म भरा तो मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया की समिति ने मेरी लंबाई के आधार पर मुझे खारिज कर दिया। उनका कहना था कि मेरी कम लंबाई के कारण मैं आपातकालीन मामलों को संभाल नहीं पाऊंगा। फिर मैंने नीलकंठ विद्यापीठ के प्रिंसिपल डॉ. दलपत भाई कटारिया और रेवसीश सवैर्या से इस बारे में बात की और पूछा कि हम इसके लिए क्या कर सकते हैं। गणेश ने आगे कहा, ह्यउन्होंने मुझे भावनगर कलेक्टर और गुजरात के शिक्षा मंत्री से मिलने को कहा। भावनगर कलेक्टर के निर्देश पर हमने यह केस गुजरात हाई कोर्ट ले जाने का फैसला किया। हमारे साथ दो अन्य उम्मीदवार भी थे जो दिव्यांग थेङ्घ हम हाई कोर्ट में केस हार गए, लेकिन फिर हमने सुप्रीम कोर्ट में इस फैसले को चुनौती देने का निश्चय किया।

भारत-साउथ अफ्रीका पहला वनडे हाउसफुल, काउंटर बंद

GANDIV REPORTER

रांची। आगामी 30 नवंबर को जेएससीए इंटरनेशनल स्टेडियम कॉम्प्लेक्स में होने वाले भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका सीरीज के पहले वनडे मैच के लिए सभी टिकट बिक गए हैं। झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन जेएससीए ने बुधवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में इसकी आधिकारिक पुष्टि की है।

जेएससीए ने साफ किया है कि अब न तो ऑनलाइन और न ही ऑफलाइन कोई टिकट उपलब्ध है। स्टेडियम के टिकट काउंटर भी नहीं खुलेंगे, क्योंकि एक भी सीट खाली नहीं बची है।

जेएससीए के मानद सचिव सौरभ तिवारी ने प्रेस रिलीज में कहा, झारखंड की जनता का क्रिकेट के प्रति प्यार और उत्साह देखकर हम अभिभूत हैं। हम दर्शकों का हृदय से आभार व्यक्त करते हैं और वादा करते हैं कि 30 नवंबर को विश्वस्तरीय मैच का आयोजन करेंगे।

रांची में पहली बार भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच वनडे मैच होने जा रहा है और स्टेडियम पूरी तरह हाउसफुल रहने की स्थिति में है। अब क्रिकेट फैंस सिर्फ 30 नवंबर का इंतजार कर रहे हैं, जब रोहित शर्मा की कप्तानी वाली टीम इंडिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच रोमांचक जंग देखने को मिलेगी।

राजधानी रांची के जेएससीए इंटरनेशनल स्टेडियम में 30 नवंबर को भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच होने वाले पहले वनडे मुकाबले को लेकर दर्शकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। टिकट बिक्री शुरू होने के बाद लगातार दो दिनों से स्टेडियम के काउंटरों पर भारी भीड़ उमड़ रही थी। इसी बीच झारखंड राज्य क्रिकेट संघ ने साफ कर दिया है कि अब सभी टिकट पूरी तरह बिक चुके हैं। अब टिकट काउंटर नहीं खोले जाएंगे।

वनडे मैच के सभी टिकट बिके : जेएससीए ने प्रेस रिलीज जारी कर बताया कि दर्शकों से मिली अपार प्रतिक्रिया की वजह से टिकटें कुछ ही समय में बिक गईं। स्टेडियम के बाहर सुबह से ही लंबी-लंबी कतारें दिखाई दे रही थीं, जहां लोग मैच का टिकट पाने के लिए घंटों तक इंतजार कर रहे थे। भीड़ को देखते हुए अनुमान लगाया जा रहा था कि टिकटें जल्दी खत्म हो सकती हैं और आखिरकार वही हुआ। सभी सीटें बुक हो चुकी हैं।

इस बार रांची में खेले जाने वाले मुकाबले का रोमांच पहले ही चरम पर है, क्योंकि टीम इंडिया के बड़े खिलाड़ी रांची पहुंच चुके हैं। विराट कोहली बुधवार की सुबह पहुंचे। जबकि कप्तान रोहित शर्मा देर शाम शहर पहुंचे, जिनके स्वागत में भारी भीड़ जमा हो गई। खिलाड़ियों के लगातार रांची पहुंचने और मैच का दिन नजदीक आने से फैंस का उत्साह और बढ़ गया है।

अब लोगों को 30 नवंबर का इंतजार : दूसरी ओर, टिकटों के पूरी तरह बिक जाने के बाद अब दर्शकों की नजरें मैच दिवस पर टिक गई हैं। खरउअ ने दर्शकों के उत्साह के लिए आभार जताते हुए कहा कि 30 नवंबर को रांची में होने वाला यह मुकाबला विश्वस्तरीय आयोजन होगा। स्टेडियम की तैयारियां भी लगभग पूरी कर ली गई हैं। पिच, आउटफील्ड और सुरक्षा व्यवस्था को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

इधर, प्रशासन की ओर से सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन को लेकर पहले ही विस्तृत व्यवस्था की गई है। टिकट कालाबाजारी रोकने के लिए भी पुलिस को सख्त निर्देश दिए गए हैं, ताकि किसी दर्शक को परेशानी न हो। टिकटों के बिक जाने के बाद अब यह साफ है कि 30 नवंबर को जेएससीए स्टेडियम में दर्शकों की खचाखच भरी भीड़ देखने को मिलेगी और रांची एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की मेजबानी में अपनी खूबसूरती दिखाएगा।

30 नवंबर को भारत -दक्षिण अफ्रीका वनडे- सुरक्षा अलर्ट पर पुलिस, 2000 जवान तैनात

GANDIV REPORTER

रांची। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच 30 नवंबर को होने वाले पहले वनडे मुकाबले के लिए राजधानी में क्रिकेट का उत्साह अपने चरम पर है। जेएससीए इंटरनेशनल स्टेडियम में होने वाले इस हाई-वोल्टेज मैच के लिए सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट हो गया है। स्टेडियम और आसपास के इलाकों में हाई-लेवल सुरक्षा तैनात की गई है। विशेषतौर पर खिलाड़ियों और उनके परिवार की सुरक्षा पर खास ध्यान दिया जा रहा है।

2000 से ज्यादा जवान मैदान में : रांची पुलिस ने मैच के मद्देनजर करीब 2000 पुलिसकर्मियों को तैनात किया है। इसमें आईआरबी, रैफ, जिला पुलिस, महिला पुलिस बल, अग्निशमन दस्ता और वॉटर कैनन शामिल हैं। सुरक्षा प्रबंधन में 6 आईपीएस, 6 डीएसपी और 12 से ज्यादा थाना प्रभारी की ड्यूटी लगाई गई है। स्टेडियम के अंदर-बाहर फायर ब्रिगेड की टीम भी तैनात रहेगी।

आईजी मनोज कौशिक कर रहे मॉनिटरिंग : रांची रेंज के आईजी मनोज कौशिक ने सुरक्षा तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने सभी पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया कि स्टेडियम के आसपास लगातार गश्ती जारी रहे और किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई की जाए। खिलाड़ियों और उनके परिवारों के लिए विशेष सुरक्षा टीम बनाई गई है, जिसमें 24 से अधिक जवान एस्कॉर्ट ड्यूटी पर तैनात होंगे।

एयरपोर्ट से होटल तक कड़ी सुरक्षा : इंडियन टीम के कई खिलाड़ी रांची पहुंच चुके हैं और बाकी टीम गुरुवार देर रात तक पहुंचेगी। टीम इंडिया और दक्षिण अफ्रीका दोनों टीमों का ठहराव होटल रेडिसन ब्लू में है। होटल से स्टेडियम और एयरपोर्ट तक सुरक्षा को लेकर पुख्ता इंतजाम किए गए हैं।

खिलाड़ियों के लिए 36 जवानों की एस्कॉर्ट टीम

रूट पर हर 400 मीटर पर पुलिसकर्मी तैनात

खिलाड़ियों के आने-जाने से आधा घंटा पहले और बाद में आम वाहनों का प्रवेश बंद।

ट्रैफिक पुलिस का स्पेशल रूट प्लान : ट्रैफिक एसपी राकेश सिंह ने बताया कि खिलाड़ियों की आवाजाही के लिए विशेष रूट निर्धारित किए गए हैं। प्रमुख मार्गों पर ट्रैफिक जवान तैनात कर दिए गए हैं। स्टेडियम के पास पार्किंग स्थल भी चिन्हित कर लिए गए हैं।

प्रैक्टिस सेशन पर भी सुरक्षा सख्त : दोनों टीमें 28 और 29 नवंबर को प्रैक्टिस करेंगी। इसके लिए भी अलग से सुरक्षा और ट्रैफिक प्लान तैयार किया गया है। पुलिस प्रशासन का दावा है।

नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम, प्रशासन ने बदली ट्रैफिक व्यवस्था

GANDIV REPORTER

रांची। मोरहाबादी मैदान में 28 नवंबर को होने वाले नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम को लेकर तैयारियाँ पूरी कर ली गई हैं। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन शामिल होंगे। भीड़ और सुरक्षा को देखते हुए जिला प्रशासन ने शहर में ट्रैफिक व्यवस्था में बदलाव किया है।

भारी वाहनों की नो-एंट्री : 28 नवंबर को सुबह 6 बजे से रात 10 बजे तक शहर में भारी मालवाहक वाहनों का प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। ये वाहन केवल रिंग रोड होकर ही आगे जा सकेंगे। पुराने नियम पहले की तरह प्रभावी रहेंगे।

इन रास्तों पर नहीं चलेंगे सामान्य वाहन

कार्यक्रम के दौरान नीचे दिए गए मार्गों पर सामान्य वाहनों का आवागमन पूरी तरह रोक दिया जाएगा,

एसएसपी आवास रोड, दिवंगत दिशोम गुरु आवास रोड, अतिथि शाला मार्ग, मोरहाबादी टीओपी रोड

रेडक्रॉस रोड, प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि इन मार्गों पर चार पहिया वाहनों का उपयोग न करें।

पार्किंग के लिए तय किए गए चार स्थल

कार्यक्रम में आने वाले आगंतुकों के लिए पार्किंग की व्यवस्था इन स्थानों पर की गई है,

फुटबॉल मैदान रांची कॉलेज मोरहाबादी

आर्मी मैदान मोरहाबादी, टीआरआई मैदान, डीआईजी ग्राउंड कांके रिंग रोड, चांदनी चौक और राम मंदिर की तरफ से आने वाले वाहन इन्हीं पार्किंग स्थलों में पार्क होंगे। वहीं बूटी मोड़, रिम्स और करमटोली से आने वालों की पार्किंग आर्मी मैदान में की जाएगी। ट्रैफिक पुलिस ने बताया कि आवश्यकता पड़ने पर अन्य मार्गों पर भी अस्थायी रूप से रूट परिवर्तन या बंद किया जा सकता है।

काटमकुली में खेत से धान चोरी

GANDIV REPORTER

रांची। पिठोरिया थाना क्षेत्र के काटमकुली निवासी किसान अफजल अंसारी के खेत से मंगलवार देर रात अज्ञात चोरों ने कटे हुए धान की बालियां चोरी कर लीं। किसान अफजल अंसारी ने बताया कि मंगलवार को दिन में धान की फसल काटी गई थी, लेकिन अंधेरा हो जाने के कारण उसे खेत पर ही छोड़ दिया गया था। बुधवार सुबह जब वह खेत पहुंचे तो देखा कि फसल गायब थी। यह देखकर किसान के होश उड़ गए।

किसान की सूचना के बाद पिठोरिया पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। अफजल अंसारी के अनुसार भारी बारिश के कारण उनकी सब्जी वाली फसल पहले ही नष्ट हो चुकी थी। ऐसे में धान की खेती ही उनका अंतिम सहारा थी। पर तैयार हुई फसल भी चोरी हो गई। किसान अफजल ने बताया साल में एक ही बार धान की खेती होती है और इसी से घर-परिवार चलता है। फसल चोरी हो जाने से मैं पूरी तरह बर्बाद हो गया हूँ।

रांची रेलवे स्टेशन पर एक्सलेटर बंद होने से यात्रियों की मुश्किलें बढ़ीं, बुजुर्ग सबसे ज्यादा परेशान

GANDIV REPORTER

रांची। झारखंड के प्रमुख रेलवे स्टेशनों में से एक रांची रेलवे स्टेशन की बुनियादी सुविधाएं लचर स्थिति में है। यहां स्टेशन पर लगा एक्सलेटर (स्वचालित सीढ़ी) कभी चलता तो कभी बंद रहता है, जिससे यात्रियों की परेशानी बढ़ जाती है। रांची रेल यूजर के अनुसार, रेलवे स्टेशन पर लगा एक्सलेटर आज बंद पड़ा है, जिससे यात्रियों खासकर बुजुर्गों को भारी सामान उठाकर सीढ़ी से उतरने में परेशानी हो रही है।

बंद एस्केलेटर की सीढ़ियों से उतरना-चढ़ना मजबूरी

यात्रियों का कहना है कि स्टेशन पर भीड़ बढ़ने पर बंद पड़े एक्सलेटर की सीढ़ियों से ही उतरना-चढ़ना पड़ता है। भारी सामान लेकर सीढ़ी चढ़ने-उतरने में परेशानी होती है। वहीं बुजुर्गों और स्वास्थ्य संबंधी समस्या वालों को खासी परेशानी होती है। यात्रियों ने आरोप लगाया कि एक्सलेटर और लिफ्ट जैसी जरूरी सुविधाएं कुछ दिनों तक तो

ठीक रहती हैं, लेकिन फिर लंबे समय तक बंद रहती हैं। ऐसे में रखरखाव और नियमित निगरानी पर सवाल उठना लाजमी है।

यात्रियों ने रेलवे प्रशासन से बंद एक्सलेटर को जल्द से जल्द ठीक करवाने की मांग की है, ताकि यात्रियों को असुविधा और संभावित हादसों से बचाया जा सके। लोगों ने रेलवे को सलाह दी है कि भविष्य में ऐसी समस्याएं दोबारा न हों, इसके लिए नियमित निरीक्षण और मेंटेनेंस को प्राथमिकता दें।

पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति का जल्द हो भुगतान, आजसू छात्र संघ ने किया भिक्षाटन

GANDIV REPORTER

रांची। झारखंड में लंबित छात्रवृत्ति की मांग को लेकर आजसू छात्र संघ ने बापू वाटिका, मोरहाबादी से राजभवन तक शिक्षा के लिए भिक्षा जनाक्रोश मार्च निकाला। इस दौरान छात्रों ने सड़क पर कटोरा लेकर भिक्षाटन कर सरकार का ध्यान आकृष्ट कराने की कोशिश की। संघ की ओर से राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार को मुख्य मांगों से जुड़ा ज्ञापन सौंपा गया है।

राज्यपाल को दिए ज्ञापन में क्या हैं प्रमुख मांगें

राज्यपाल से आग्रह किया गया है कि वे राज्य सरकार को निर्देश दें कि सत्र 2024-25 की पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति का भुगतान शीघ्र शुरू कराया जाए। क्योंकि छात्रवृत्ति में हो रही देरी से झारखंड के लाखों विद्यार्थी आर्थिक संकट और शैक्षणिक असुरक्षा का सामना कर रहे हैं। दावा है कि सरकार के आंकड़ों के अनुसार लगभग 11।34 लाख विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति मिलनी थी, लेकिन अब तक लगभग 7।45 लाख छात्रों को ही आंशिक भुगतान हो पाया है, जबकि शेष लाखों छात्र अब भी प्रतीक्षा में हैं। संघ के मुताबिक 7,45,557 छात्रों को 1,202।89 करोड़ की राशि प्रदान की गई है, जो पिछले सत्रों का आंशिक भुगतान है। दावा है कि वर्तमान सत्र में 3।5 लाख से अधिक ओबीसी समेत अन्य छात्रों को अब तक एक भी किस्त नहीं मिली है। केंद्र सरकार ने अपने हिस्से का करीब 900 करोड़ रुपये का भुगतान नहीं किया है। इसी आधार पर राज्य सरकार पूर्ण भुगतान करने में असमर्थता जता रही है।

विशेष रूप से ओबीसी वर्ग के उन विद्यार्थियों की ओर ध्यान आकृष्ट कराया गया है जिन्हें पहली किस्त

तक नहीं मिल पाई है। छात्रवृत्ति रोक दिए जाने से गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के विद्यार्थी फीस जमा करने, किताबें खरीदने और हॉस्टल व अन्य खर्चों का प्रबंधन नहीं कर पा रहे हैं। इससे कई छात्रों की उच्च शिक्षा बीच में रुकने की आशंका पैदा हो गई है और वे पढ़ाई छोड़ने की कगार पर पहुंच रहे हैं। आजसू छात्र संघ का कहना है कि यह स्थिति केवल तकनीकी देरी नहीं, बल्कि सरकार और प्रशासन की उदासीनता को दशार्ती है।

आंदोलन तेज करने की चेतावनी

आजसू छात्र संघ ने चेतावनी दी है कि यदि निर्धारित समय सीमा में लंबित छात्रवृत्ति का भुगतान शुरू नहीं किया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। इसके तहत शिक्षा के लिए भिक्षा जैसे प्रतीकात्मक और जनआक्रोश मार्च कार्यक्रमों के माध्यम से पूरे राज्य में जनसमर्थन जुटाया जाएगा और सरकार पर दबाव बढ़ाया जाएगा। संगठन का कहना है कि जब तक सभी पात्र विद्यार्थियों को पूरी छात्रवृत्ति नहीं मिल जाती, तब तक यह संघर्ष जारी रहेगा।

इस दौरान आजसू छात्र संघ के प्रदेश अध्यक्ष ओम वर्मा ने कहा कि झारखंड राज्य के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं पिछड़ा वर्ग के लाखों विद्यार्थी सत्र 2024-25 की पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति के भुगतान के लिए कई महीनों से प्रतीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह देरी केवल प्रशासनिक नहीं, बल्कि सरकार की गंभीर लापरवाही और उदासीनता को दशार्ती है। जिसके कारण उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों का भविष्य संकट में है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के अनुसार 11।34 लाख विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति मिलनी थी।

वहीं आजसू छात्र संघ के कार्यकारी अध्यक्ष बबलू महतो ने नाराजगी जताते हुए कहा कि तीन चरण में यह आंदोलन चल रहा है। जिसके तहत पहले आवेदन, दूसरा निवेदन और तीसरा दे दनादन।हमने पहले ज्ञापन सौंपा है। दूसरे चरण में निवेदन करेंगे और इसके बाद भी यदि सरकार नहीं मानेगी तो 1990 के तर्ज पर हम सड़क पर उतरकर राज्य के छात्रों के साथ सरकार को दे दनादन करेंगे।

राजभवन के समक्ष प्रदर्शन, सौंपा गया ज्ञापन : हाथों में तख्ती और कटोरा लिए मोरहाबादी बापू बाटिका से राजभवन पहुंचे बड़ी संख्या में छात्रों ने इस दौरान जमकर नारेबाजी की। आजसू छात्र संघ के द्वारा राज्यपाल के नाम से राजभवन को ज्ञापन सौंपकर 2024-25 की लंबित छात्रवृत्ति वितरण के भुगतान में तुरंत हस्तक्षेप करने का आग्रह किया। साथ ही राज्य सरकार को ई-कल्याण पोर्टल पर सभी लंबित आवेदनों की स्थिति सार्वजनिक करने का निर्देश देने का आग्रह किया गया, ताकि पारदर्शिता सुनिश्चित हो सके।

फर्जी नंबर प्लेट लगाकर घूम रहा युवक गिरफ्तार

रांची। राजधानी में ट्रैफिक पुलिस की विशेष निगरानी अभियान के तहत एक युवक को फर्जी नंबर प्लेट लगाकर घूमने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। यातायात थाना लालपुर की टीम ने डंगराटोली क्षेत्र में वाहन की जांच के दौरान युवक को पकड़ा। पुलिस ने जब वाहन के दस्तावेज मांगे तो नंबर प्लेट फर्जी पाए जाने की पुष्टि हुई। इसके बाद आरोपी को मौके से हिरासत में लेकर लोअर बाजार थाना को सौंप दिया गया। मामले में लोअर बाजार थाना में संबंधित धाराओं के तहत कांड दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस का कहना है कि शहर में फर्जी नंबर प्लेट और बिना कागजात वाले वाहनों पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

जैक 10वीं-12वीं परीक्षा 2026 की डेटशीट जारी
दोनों परीक्षाएं 3 फरवरी से शुरू होंगे

GANDIV REPORTER

रांची। झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) ने वर्ष 2026 की मैट्रिक और इंटर परीक्षाओं का पूरा शेड्यूल जारी कर दिया है। परिषद की ओर से बुधवार को जारी अधिसूचना के अनुसार दोनों परीक्षाएं 3 फरवरी 2026 से एक साथ शुरू होंगी। मैट्रिक की परीक्षा 17 फरवरी को समाप्त होगी, जबकि इंटर की परीक्षाएं 23 फरवरी तक चलेंगी।

अलग-अलग पाली होगी मैट्रिक-इंटर परीक्षा : मैट्रिक की परीक्षा पहली पाली (9:45-1:00) में और इंटर की परीक्षा दूसरी पाली (2:00-5:15) में ली जाएगी। सभी परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए अतिरिक्त 15 मिनट दिए जाएंगे।
जैक अध्यक्ष डॉ. नटवा हांसदा ने कहा कि हमने परीक्षा कार्यक्रम ऐसे तैयार किया है कि सभी विद्यार्थियों को पर्याप्त समय और अनुकूल माहौल मिल सके। स्कूलों और कॉलेजों को निर्देश दिया गया है कि परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की परेशानी न हो। हमारा प्रयास है कि इस वर्ष परीक्षा प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी, सुरक्षित और समयबद्ध हो।

16-17 जनवरी से डाउनलोड होंगे एडमिट कार्ड : मैट्रिक और इंटर छात्रों के प्रवेश पत्र क्रमशः 16 और 17 जनवरी से डाउनलोड किए जा सकेंगे। इसके लिए जैक की वेबसाइट www.jac.jharkhand.gov.in पर लिंक उपलब्ध कराया जाएगा। स्कूलझकॉलेज इन प्रवेश पत्रों को डाउनलोड कर विद्यार्थियों को वितरित करेंगे। परीक्षा फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 12 दिसंबर 2025 तय की गई है।

24 फरवरी से प्रायोगिक परीक्षा
मैट्रिक और इंटर दोनों स्तरों पर प्रायोगिक परीक्षाएं 24 फरवरी से 7 मार्च तक होंगी। मैट्रिक प्रायोगिक सामग्री 18-21 फरवरी के बीच उपलब्ध कराई जाएगी। इंटर प्रायोगिक सामग्री 20-23 फरवरी के बीच उपलब्ध कराई जाएगी। डीइओ कार्यालयों द्वारा संस्थानों को उपलब्ध कराई जाएगी। प्रायोगिक व आंतरिक मूल्यांकन के अंक 25 फरवरी से 9 मार्च के बीच ऑनलाइन अपलोड होंगे। सभी स्कूलझकॉलेजों को अंकसूची की एक प्रति डीइओ कार्यालय में जमा करनी होगी।

अप्रैल में आ सकता है रिजल्ट
जैक अधिकारियों के अनुसार उत्तरपुस्तिका मूल्यांकन की प्रक्रिया समय पर पूरी हुई तो मैट्रिक और इंटर, दोनों के परिणाम अप्रैल के अंतिम सप्ताह में जारी किए जा सकते हैं।

डिजिटल : राज्यस्तरीय आईसीटी चैंपियनशिप 4-5 दिसंबर को

GANDIV REPORTER

रांची। झारखंड में पहली बार स्कूली छात्रों की डिजिटल योग्यता का मूल्यांकन करने हेतु राज्यस्तरीय आईसीटी चैंपियनशिप-झारखंड ई-शिक्षा महोत्सव का आयोजन 4 और 5 दिसंबर को किया जाएगा। यह प्रतियोगिता कक्षा 9 से 12 के सरकारी विद्यालयों के छात्रों के लिए आयोजित की जा रही है। 18-19 नवंबर को जिलास्तरीय प्रतियोगिताएं संपन्न हुईं, जिनमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कुल 192 छात्र-छात्राओं को राज्यस्तर के लिए चयनित किया गया है। झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद ने जिलों को सभी दिशा-निर्देश भेज दिए हैं। प्रतियोगिता रातू स्थित जेसीईआरटी डायट कैंपस में चार बैचों में आयोजित होगी।विशेष परिस्थिति में प्रतिभागियों के ठहरने की व्यवस्था भी जेसीईआरटी में की जाएगी। छात्रों के साथ आईसीटी इंस्ट्रक्टर, शिक्षक और जिला प्रतिनिधि भी शामिल होंगे। प्रतियोगिता में यदि दो प्रतिभागियों का स्कोर समान पाया गया तो पहले उनकी उपस्थिति (ई-विद्यावाहिनी व विद्यालय रिकॉर्ड) की जांच की जाएगी। उपस्थिति भी समान होने पर रेल स्कोर के आधार पर टॉपर का चयन किया जाएगा।

जेल में भोजन की गुणवत्ता में कमी हुई तो जेलर जिम्मेदार : हाईकोर्ट

GANDIV REPORTER

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने बिरसा मुंडा सेंट्रल जेल, होटवार समेत राज्य की सभी जेलों में कैदियों को दिए जा रहे भोजन की गुणवत्ता की जांच का आदेश दिया है। कोर्ट ने झारखंड लीगल सर्विस अथॉरिटी (झालसा) और जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डालसा) के चेयरमैन और सेक्रेटरी को जेलों का औचक निरीक्षण कर दो सप्ताह के भीतर रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया है। गुरवार को हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद की अध्यक्षता वाली खंडपीठ आकाश कुमार राय की क्रिमिनल अपील पर सुनवाई कर रही थी। सुनवाई के दौरान कोर्ट के 18 नवंबर 2025 के आदेश के अनुपालन में जेल अधीक्षक सुदर्शन मुर्मू और जेलर लौकुश कुमार कोर्ट में पेश हुए। जेलर ने कोर्ट को बताया कि अब कैदियों को जेल मैनुअल के अनुसार भोजन दिया जा रहा है।
गृह सचिव और आईजी जेल ने भी शपथ पत्र दाखिल कर बताया कि राज्य के सभी जेलों में भोजन की गुणवत्ता में सुधार हुआ है। कोर्ट ने झालसा के सदस्य सचिव को सभी डालसा चेयरमैन को आदेश की प्रति भेजने और सभी डालसा चेयरमैन व सेक्रेटरी को जेलों का औचक निरीक्षण कर दो सप्ताह में भोजन की गुणवत्ता पर रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि भोजन की गुणवत्ता में कमी या किसी भी अनियमितता के लिए अब जेलर सीधे जिम्मेदार होंगे। इस मामले की अगली सुनवाई के लिए 11 दिसंबर की तिथि निर्धारित की गई है।

फर्जी नंबर प्लेट लगाकर घूम रहा युवक गिरफ्तार

रांची। राजधानी में ट्रैफिक पुलिस की विशेष निगरानी अभियान के तहत एक युवक को फर्जी नंबर प्लेट लगाकर घूमने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। यातायात थाना लालपुर की टीम ने डंगराटोली क्षेत्र में वाहन की जांच के दौरान युवक को पकड़ा।
पुलिस ने जब वाहन के दस्तावेज मांगे तो नंबर प्लेट फर्जी पाए जाने की पुष्टि हुई। इसके बाद आरोपी को मौके से हिरासत में लेकर लोअर बाजार थाना को सौंप दिया गया। मामले में लोअर बाजार थाना में संबंधित धाराओं के तहत कांड दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

झारखंड में सर्दी से मिलेगी राहत! सिमडेगा का पारा 5.7 डिग्री पर पहुंचा

GANDIV REPORTER

रांची। झारखंड में सर्दी का सितम शुरू हो गया है। पिछले दो दिनों से कड़ाके की ठंड पड़ रही है। सिमडेगा जिला में न्यूनतम पारा 5.7 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ है। हालांकि गोड्डा का न्यूनतम तापमान 29.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ है। राज्य के 10 जिले ऐसे हैं जहां का न्यूनतम पारा 10 डिग्री सेल्सियस के नीचे चला गया है।
सिमडेगा के बाद सबसे ज्यादा सर्दी गुमला में पड़ रही है। यहां पिछले 24 घंटों में न्यूनतम पारा 6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ है। अब सवाल है कि आखिर कड़ाके की ठंड के पीछे की क्या वजह है। आने वाले दिनों में मौसम कैसा रहेगा।

10 जिलों की न्यूनतम पारा 10 डिग्री से नीचे
मौसम केंद्र, रांची के मुताबिक, उत्तर और उत्तर-पश्चिम दिशा से आ रही ठंडी हवाओं की वजह से न्यूनतम तापमान में 2-4 डिग्री सेल्सियस तक की कमी दर्ज हुई है। पछुआ हवाएं निचले वायुमंडलीय स्तर पर सक्रिय हैं। इसकी वजह से पिछले 24 घंटे के भीतर सिमडेगा के बाद गुमला में 5.8 डिग्री सेल्सियस, खूंटी में 6 डिग्री सेल्सियस, लोहरदगा में 7.3, हजारीबाग में 7.5, डाल्टनगंज में 8.0, लातेहार में 8.2, रांची में 8.4, पश्चिमी सिंहभूम में 9.0 और बोकारो में 9.1 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान दर्ज हुआ है।

आज से सर्दी से राहत मिलने की है ये वजह
राहत की बात है कि 28 नवंबर से हवाओं का रुख बदलने की संभावना है। इसकी वजह से न्यूनतम पारा में 2-4 डिग्री सेल्सियस का इजाफा हो सकता है। मौसम केंद्र के मुताबिक, यह सिलसिला 2 दिसंबर तक चल सकता है। इसका मतलब है कि कल से ठंड से थोड़ी राहत मिलेगी। इस दौरान सुबह के वक्त कोहरा और धुंध देखने को मिलेगा। इसके बाद आंशिक बादल छा सकते हैं।

ज्यादार जिलों का अधिकतम पारा 30 से 25 डिग्री के बीच
अधिकतम तापमान की बात करें तो पिछले 24 घंटे में गोड्डा के बाद चाईबासा में 28।2, पाकुड़ में 28।0, डाल्टनगंज में 27।4, जमशेदपुर में 26।6, देवघर में 26।5, सिमडेगा में 26।4 और पश्चिमी सिंहभूम में 26।2 डिग्री सेल्सियस रहा है। वहीं बोकारो में 23।5 और रांची में 22।4 डिग्री अधिकतम तापमान रहा है। सिर्फ लातेहार, गुमला, लोहरदगा, रांची और हजारीबाग ऐसे जिले हैं जहां अधिकतम तापमान 25 डिग्री से नीचे है। खास बात है कि अधिकतम और न्यूनतम तापमान के बीच अच्छा खासा गैप होने की वजह से दिन के वक्त ज्यादा ठंड नहीं महसूस हो रही है। लेकिन सुबह धूप निकलने से पहले और शाम को सूर्य ढलने के बाद थोड़ी भी लापरवाही स्वास्थ्य के लिहाज से मुसीबत खड़ी कर सकती है। फिलहाल, लातेहार एक मात्र ऐसा जिला है जहां दिन में ठंड का एहसास हो रहा है। इसकी वजह है कि दिन में अधिकतम पारा 18 डिग्री और न्यूनतम पारा 8.2 डिग्री रिकॉर्ड हुआ है।

नीड-बेस्ड असिस्टेंट प्रोफेसरों को लौटना होगा मूल संस्थान
रांची विश्वविद्यालय ने रद्द किया तबादला

GANDIV REPORTER

रांची। रांची विश्वविद्यालय के नीड-बेस्ड असिस्टेंट प्रोफेसरों के तबादले को लेकर जारी विवाद एक बड़े फैसले के साथ थम गया है। राजभवन ने विश्वविद्यालय प्रशासन से स्पष्ट जवाब मांगा था कि जब शिक्षकों की नियुक्ति विशुद्ध रूप से आवश्यकता आधारित थी, तो फिर उन्हें दूसरे कॉलेजों में स्थानांतरित क्यों किया गया? इस कड़े सवाल के बाद विश्वविद्यालय ने 23 नीड-बेस्ड असिस्टेंट प्रोफेसरों का तबादला रद्द कर दिया है और इन्हें वापस उनके मूल संस्थानों में भेजने का निर्देश जारी कर दिया है।
आरयू प्रशासन की ओर से जारी नई अधिसूचना में कहा गया है कि संशोधित आदेश 1 दिसंबर 2025 से प्रभावी होगा। यानी जिन शिक्षकों का ट्रांसफर हुआ था, उन्हें अपने मूल कॉलेज में जाकर योगदान देना होगा। आदेश जारी होने के तुरंत बाद विभिन्न कॉलेजों में चचाओं का दौर शुरू हो गया है। कई प्राचार्यों का कहना है कि रिवर्स ट्रांसफर से क्लासरूम मैनेजमेंट और परीक्षा संबंधी तैयारियां प्रभावित होंगी, क्योंकि वैकल्पिक व्यवस्था अभी तक नहीं की गई हैं।

कई कॉलेजों में फिर हो जाएगी शिक्षकों की कमी : तबादला रद्द होने के बाद कई कॉलेजों में विषयवार असंतुलन पैदा हो गया है। जिन कॉलेजों में पिछले तीन वर्षों से नीड-बेस्ड शिक्षक पढ़ा रहे थे, वे अकादमिक व्यवस्था में गहराई से जुड़ चुके थे। अब अचानक वापसी से कई विभाग पुनः शिक्षक विहीन हो जाएंगे। रांची, बेड़ो, बुंडू, लोहरदगा और सिमडेगा के कई कॉलेजों में भूगोल, अर्थशास्त्र, नागपुरी, उर्दू, कॉमर्स, भूविज्ञान, मानवशास्त्र जैसे विषयों के शिक्षकों की कमी हो जाएगी।

शिक्षकों की सूची और विसंगतियां : नई अधिसूचना में जिन शिक्षकों के तबादले रद्द किए गए हैं उनमें विभिन्न विषयों के असिस्टेंट प्रोफेसर शामिल हैं। कुडुख, उर्दू, भूगोल, हिंदी, अंग्रेजी, कॉमर्स, नागपुरी, बंगला, जूलॉजी, भूविज्ञान, राजनीतिक विज्ञान और अर्थशास्त्र जैसे विषयों के कई शिक्षकों नाम इस सूची में हैं।

आईआईटीएफ सरस मेला : झारखंड सखी मंडल ने तोड़ा रिकॉर्ड, 30 लाख की बिक्री

GANDIV REPORTER

रांची/नई दिल्ली। नई दिल्ली के प्रगति मैदान में 14 से 27 नवंबर 2025 तक हुए आईआईटीएफ सरस मेला 2025 में झारखंड की ग्रामीण महिलाओं ने अपनी मेहनत और हुनर से सबका दिल जीत लिया। जेएसएलपीएस से जुड़े 16 सखी मंडल की महिलाओं ने पलाश और आदिवा ब्रांड के उत्पाद बेचकर कुल 30।72 लाख रुपये का रिकॉर्ड व्यापार किया।

आदिवा ज्वेलरी ने जीता दिल्लीवासियों का दिल
दिल्ली के लोगों ने खासकर आदिवा ब्रांड की चांदी और ऑक्सीडाइज्ड ज्वेलरी को बहुत पसंद किया। मेले में 14।84 लाख रुपये से ज्यादा की ज्वेलरी बेची गई।

पलाश ब्रांड के खाद्य उत्पादों की भी जोरदार मांग : पलाश ब्रांड के रागी/तिल के लड्डू, रागी मिक्सचर, अचार, अरहर दाल, सरसों का तेल जैसे उत्पादों को भी लोगों ने खूब सराहा। सिमडेगा की कॉलेबिरा फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी की महिलाओं के बनाए हुए रागी और तिल के लड्डू की खूब मांग रही।तसर सिल्क, नैचुरल ब्यूटी प्रोडक्ट्स और डोकरा कला का भी आकर्षणजमशेदपुर की मीनू रक्षित के नेचुरल ब्यूटी प्रोडक्ट्स, गोड्डा जिले के तसर सिल्क और दुमका की डोकरा कला भी मेले में लोगों को खूब पसंद आए।

ग्रामीण महिलाओं को मिली राष्ट्रीय पहचान : मेले में मिली सफलता ने झारखंड की ग्रामीण महिलाओं को राष्ट्रीय मंच पर पहचान दिलाई। जेएसएलपीएस के सहयोग से महिलाएं कौशल प्रशिक्षण लेकर अपने उत्पादों को देशभर में बेच रही हैं। इसी प्रयास से झारखंड में अब तक 9.82 लाख महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं।जेएसएलपीएस के सीईओ अनन्य मित्तल ने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि सखी मंडल की महिलाएं आर्थिक रूप से मजबूत बनें और सफल उद्यमी के रूप में आगे बढ़ें।

रांची में आईआईएसएफ का कर्टेन रेजर कार्यक्रम आयोजित

GANDIV REPORTER

रांची। हरियाणा के पंचकूला में 6 दिसंबर से 9 दिसंबर तक आयोजित होने वाले भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव का कर्टेन रेजर कार्यक्रम रांची के मौसम केंद्र में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्कूली बच्चों ने भी भाग लिया और आज के समय में जीवन के हर क्षेत्र में विज्ञान के बढ़ते महत्व के साथ साथ मौसम पूर्वानुमान से जुड़ी जानकारियां हासिल की।
कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रांची एयरपोर्ट निदेशक अनिल कश्यप शामिल हुए। 2015 से हर साल आयोजित किये जा रहे इंडिया इंटरनेशनल साइंस फेस्टिवल (क्क्रत्र) के कर्टेन रेजर से संबंधित वीडियो को बच्चों को दिखाया गया और यह बताया गया कि कैसे यह फेस्टिवल हमें विज्ञान को जानने, समझने के साथ-साथ हमें साइंस एंड टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में स्टार्टअप शुरू करने और अपने ज्ञान को बढ़ाने का मौका देता है।

बच्चों ने जाना- कैसे मौसम केंद्र करता है पूवार्नुमान जारी?
रांची स्थित मौसम केंद्र में आयोजित कर्टेन रेजर कार्यक्रम में केंद्रीय विद्यालय के माध्यमिक क्लास के बच्चों ने जाना कि कैसे विज्ञान की सहायता से मौसम वैज्ञानिक हवा की गति, वर्षा की मात्रा, आसमान में होने वाली गतिविधि, चक्रवात, सर्दी-गर्मी की तमाम जानकारी पूवार्नुमान जारी करते हैं। केंद्रीय विद्यालय की नौंवी क्लास की छात्रा विनीता और अयुक्ता ने बताया कि आज का कार्यक्रम बहुत जानकारी भरा रहा और हम लोगों ने जाना कि कैसे विज्ञान की वजह से जीवन सुगम हो रहा है। बच्चों ने बताया कि देश को विज्ञान के क्षेत्र में आगे ले जाकर एक विकसित और आत्मनिर्भर भारत बनाने की जिम्मेदारी उन्हीं को निभानी है।

जिसने विज्ञान को आत्मसात किया वही देश विकसित हुआ : अनिल कश्यप
कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट के निदेशक अनिल कश्यप ने कहा कि विज्ञान को आत्मसात किये बिना कोई भी देश तरक्की नहीं कर सकता है। उन्होंने बच्चों को विज्ञान के प्रति जिज्ञासु होने का आह्वान करते हुए कहा कि एक विकसित और आत्मनिर्भर भारत के लिए विज्ञान को आगे ले जाने का दायित्व नई पीढ़ी पर ही है।
अगर आप मजबूत इच्छाशक्ति रखें तो रास्ते खुद आसान हो जाते हैं। हमारे मिसाइल मैन और पूर्व राष्ट्रपति डॉ। एपीजे अब्दुल कलाम को आज दुनिया सैल्यूट करती है। मौसम केंद्र के निदेशक ने डॉ एपीजे अब्दुल कलाम के वाक्य को दोहराते हुए बच्चों से ऊंचे सपने देखने का आह्वान किया।

साइंस एंड टेक्नोलॉजी से मिटती है अमीर-गरीब के बीच की दूरी : अभिषेक आनंद
रांची मौसम केंद्र के वरीय मौसम पूवार्नुमान वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने बताया कि आईआईएसएफ की शुरूआत वर्ष 2015 से हुई थी। हर वर्ष यह आयोजन किसी न किसी शहर में होता रहा है। इस साल यह 6 से 9 दिसंबर तक हरियाणा के पंचकूला में आयोजित होगा। उन्होंने बताया कि इस वर्ष की थीम विज्ञान से समृद्धि फॉर आत्मनिर्भर भारत रखा है।
अब तक इंडिया, सर्विस क्षेत्र में आगे बढ़ रहा था लेकिन नई टेक्नोलॉजी और विकास में हम पीछे थे। अब समझ में आया है कि हमें अपनी तकनीकी ज्ञान और वैज्ञानिक समझ को बढ़ाना होगा। पूर्व के एक वाक्यात कारगिल युद्ध के दौरान, अमेरिका द्वारा नेविगेशनल सिस्टम नहीं दिए जाने का जिक्र करते हुए कहा कि आने वाले जेनरेशन को विज्ञान के बारे में जानकारी रखनी जरूरी है: अभिषेक आनंद, मौसम वैज्ञानिक
मौसम वैज्ञानिक ने आगे बताया कि अब मौका पहले की अपेक्षा अधिक है और आपने सोच लिया तो टेक्नोलॉजी आपके साथ है। उन्होंने कहा कि क्क्रत्र के वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन रजिस्टर्ड कराकर आम लोग भी इस फेस्टिवल के कई इवेंट्स का हिस्सा बन सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान मौसम वैज्ञानिक उपेन्द्र श्रीवास्तव ने भी झारखंड के संबंध में मौसम और सिविल एविएशन में विज्ञान के महत्व की जानकारी बच्चों को दी।

आखिर हम नवजातों को कब अपनाना सीखेंगे?

देवेंद्र सिंह
वरिष्ठ पत्रकार

एक रिपोर्ट के अनुसार, प्रदेश में हर महीने औसतन २० मासूम बेटियों को या तो अस्पतालों और पालनागृहों में छोड़ दिया जाता है या फिर सुनसान स्थानों पर मरने के लिए फेंक दिया जाता है। चिंता की बात यह है कि इन परित्यक्त बच्चों में 90 प्रतिशत बेटियां होती हैं। पिछले पांच वर्षों में 1,331 बच्चों को फेंकने के मामले सामने आए, जिनमें से 376 में माता-पिता की पहचान हुई।

हाल ही में राजस्थान की राजधानी जयपुर में एक नवजात बालिका सड़क किनारे कपड़े में लिपटी हुई लावारिस हालत में मिली। चांदपोल श्मशान घाट के बाहर रोती हुई इस बच्ची की आवाज सुनकर स्थानीय लोग वहां पहुंचे और तुरंत पुलिस को सूचना दी। बच्ची महज आठ से दस दिन की थी। उसे तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया। प्रदेश के भीलवाड़ा जिले से भी दिल दहला देने वाली घटनाएं सामने आईं। गुलाबपुरा थाना क्षेत्र के दौलतपुरा गांव में जन्म के कुछ ही देर बाद एक नवजात बालिका को झाड़ियों में फेंक दिया गया था। ग्रामीणों ने समय रहते उसे देखा, जिसके बाद बच्ची को अस्पताल ले जाकर बचाया गया। ठीक इसी तरह बिजौलिया उपखंड के सीताकुंड जंगल में एक दस से बारह दिन की नवजात को फेवीक्विक से होठ चिपकाकर पत्थरों के नीचे दबा दिया गया। यह दृश्य इंसानियत को शर्मसार कर देने वाला था।

इसी तरह बीकानेर के श्रीडूंगरगढ़ थाना क्षेत्र में भी एक दिन की बच्ची कूड़ेदान में पड़ी मिली। उसकी चीख सुनकर वहां से गुजर रही महिला ने पुलिस को सूचना दी और बच्ची को अस्पताल पहुंचाया गया। वहीं जालोर जिले में भी एक मकान की छत पर गुलाबी चुनरी में लिपटी एक नवजात बच्ची मिली, जिसका जन्म फेंके जाने से मात्र 30 मिनट पहले हुआ था। हर घटना एक नए दर्द, एक नई पीड़ा और एक नए सवाल को जन्म देती है कि आखिर क्यों मासूम बेटियों को इस तरह से दुनिया में आने के तुरंत बाद मौत के हवाले किया जा रहा है?

असल में राजस्थान में बेटियों के प्रति भेदभाव नया मुद्दा नहीं है। आटा-साटा, घूंघट प्रथा, बाल विवाह और शिक्षा की कमी जैसे सामाजिक ढांचे वर्षों से लैंगिक असमानता को गहराते रहे हैं। समाज में बदलाव की बातें होती हैं, योजनाएं बनती हैं, जागरूकता अभियान चलाए जाते हैं, पर हालिया घटनाएं बताती हैं कि इन सबका प्रभाव जमीनी स्तर तक नहीं पहुंच पा रहा। सड़क किनारे, कूड़ेदानों और जंगलों में लावारिस हालत में बच्चियों के मिलने की बढ़ती घटनाएं बताती हैं कि समाज की सोच अब भी वहीं अटकी हुई है जहां बेटी जन्म लेना बोझ समझा जाता है।

एक रिपोर्ट के अनुसार, प्रदेश में हर महीने औसतन 20 मासूम बेटियों को या तो अस्पतालों और पालनागृहों में छोड़ दिया जाता है या फिर सुनसान स्थानों पर मरने के लिए फेंक दिया जाता है। चिंता की बात यह है कि इन परित्यक्त बच्चों में 90 प्रतिशत बेटियां होती हैं। पिछले पांच वर्षों में 1,332 बच्चों को फेंकने के मामले सामने आए, जिनमें से 376 में माता-पिता की पहचान हुई।

इनमें से 200 मामलों में किशोर न्याय अधिनियम 2015 के तहत कार्रवाई की गई। चाइल्डलाइन इंडिया और यूनिसेफ की रिपोर्ट के अनुसार, सरकार ने आश्रय पालना योजना के तहत 67 पालना केंद्र स्थापित किए, लेकिन इनमें से सिर्फ 20 प्रतिशत ही प्रभावी रूप से काम कर रहे हैं। इससे साफ है कि सरकारी प्रयास कमजोर हैं और समाज में जागरूकता का स्तर बेहद कम।

रिपोर्ट यह भी बताती है कि 90 प्रतिशत मामलों के पीछे या तो अवैध संबंधों का भय होता है या फिर लिंग आधारित भेदभाव। अविवाहित माताएं, विधवाएं, परित्यक्ता महिलाएं और आर्थिक तंगी से जूझ रही महिलाएं बदनामी से बचने के लिए बच्चियों को जन्म के तुरंत बाद फेंक देती हैं। थार के रेगिस्तान और आदिवासी अंचलों में ऐसे प्रकरण अधिक हैं। सामाजिक कार्यकताओं का कहना है कि आदिवासी क्षेत्रों में शिक्षा की कमी इस समस्या को और गंभीर बनाती है, जबकि शहरी क्षेत्रों में अवैध संबंध और पारिवारिक दबाव प्रमुख कारण हैं। खास बात यह है कि परित्यक्त बच्चों में 90 प्रतिशत यानी 1,199 बच्चियां हैं। पिछले पांच वर्ष में परित्यक्त लड़कियां कोई कमी नहीं आई है, बल्कि 2021 और 2024 में इनमें वृद्धि हुई है।

नवजात शिशुओं को लावारिस हालत में फेंकने के मामलों में बिहार, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल के बाद राजस्थान देश में सबसे ऊपर है। बाल अधिकारों के लिए काम करने वाले सामाजिक कार्यकताओं की मानें तो राजस्थान में फेंके गए नवजातों की तादाद सरकार और यूनिसेफ के आंकड़ों से कहीं ज्यादा है क्योंकि बहुत सारे मामले दर्ज ही नहीं हो पाते। आंकड़ों पर नजर डालें तो अकेले जयपुर में 450 मामले सामने आए। वैशाली नगर, टोंक रोड और शास्त्री नगर जैसे इलाकों में बच्चियां अस्पतालों और मंदिरों के बाहर छोड़ी गईं। उदयपुर में 300, बीकानेर में 250, कोटा में 150 मामले दर्ज हुए। बाड़मेर और जोधपुर में क्रमशः 100 और 80 प्रकरण मिले। यह आंकड़े बताते हैं कि समस्या एक जिले या क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे प्रदेश में फैली हुई है। सरकार ने बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, समान वेतन, महिला सुरक्षा, स्वयं सहायता समूह, राजनीतिक भागीदारी और शिक्षा सुधार जैसे कई प्रयास किए हैं, लेकिन धरातल पर स्थिति अभी भी भयावह है। बाल लिंगानुपात चिंताजनक है, महिलाओं की साक्षरता दर अभी भी राष्ट्रीय औसत से कम है और स्वास्थ्य सुविधाओं तक उनकी पहुंच सीमित है। असल में पितृसत्तात्मक सोच को बदलने के लिए कानूनों का कड़ाई से पालन, व्यापक शिक्षा, सामाजिक चेतना और गोद लेने की प्रक्रिया को सरल बनाने की आवश्यकता है, ताकि परित्यक्त बच्चियों को सुरक्षित घर मिल सके। हमें यह भी सोचना होगा कि एक तरफ हम नवरात्रों में कन्याओं को देवी मानकर पूजते हैं और दूसरी तरफ नवजात बेटियों को सड़कों पर मरने के लिए छोड़ देते हैं। समाज का यह दोहरापन न केवल रिश्तों को खोखला कर रहा है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को भी अंधकार की ओर धकेल रहा है। लड़कियां आज हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। उन्हें बोझ नहीं, बल्कि समान अधिकार और सम्मान देने की जिम्मेदारी हर माता-पिता और समाज की है। इसके लिए हम सभी को मिलकर काम करना होगा, तभी समतामूलक समाज का निर्माण संभव हो सकेगा।

अप्रवासी (असम के निष्कासन) अधिनियम 1950 पुनः सक्रिय

अशोक प्रवृद्ध

असम की भारतीय जनता पार्टी सरकार के द्वारा 75 वर्ष पुराने दुर्लभ कानून- अप्रवासी (असम के निष्कासन) अधिनियम 1950 को फिर से सक्रिय कर इसे धरातल पर अमल करते हुए पहले ही केस सोनितपुर जिले में विदेशी घोषित पांच लोगों को 24 घंटे के भीतर भारत छोड़ने का आदेश दिए जाने के बाद यह कानून चर्चा में है। पिछले वर्ष 2024 में एक न्यायाधिकरण द्वारा विदेशी घोषित इन पांच घुसपैठियों को सोनितपुर जिला प्रशासन ने 18 नवम्बर 2025 दिन मंगलवार को कानून के तहत 24 घंटे के भीतर भारत से निकलने का आदेश जारी करते हुए कहा है कि ये लोग 24 घंटे के भीतर धुबरी, श्रीभूमि, दक्षिण सलमारा और मनकाचर मार्ग के रास्ते भारत छोड़कर चले जाएं, बांग्लादेश लौट जाएं। आदेश में यह भी कहा कि अगर वे आदेशों का पालन नहीं करते हैं तो सरकार उन्हें असम से निकालने के लिए उचित कार्रवाई करेगी। आदेश जारी करने के बाद गुरुवार 20 नवम्बर 2025 को पुलिस ने सोनितपुर जिले के उस गांव का दौरा भी किया, जहां ये 5 लोग रहते थे। पुलिस को इन लोगों को कुछ पता नहीं चला है। पुलिस का कहना है कि वे फरार चल रहे हैं। पुलिस इन लोगों की तलाश कर रही है और पकड़े जाने पर उचित कार्रवाई करेगी।

उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों में असम सरकार ने घुसपैठियों को वापस भेजने के लिए 75 साल पुराने एक दुर्लभ कानून अप्रवासी (असम के निष्कासन) अधिनियम 1950 को फिर से सक्रिय करते हुए बड़ा फैसला लिया है। इस कानून के तहत घुसपैठियों को निकालने के लिए कोर्ट जाने की जरूरत नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने भी इस कानून को वैध माना है। इस बार न कोई लंबी अदालत की प्रक्रिया, न किसी ट्रिब्यूनल का इंतजार, सीधे -सीधे पांच घोषित विदेशी लोगों को केवल 24 घंटे का नोटिस देकर राज्य और देश छोड़ने का आदेश जारी किया गया है। आदेश में साफ कहा गया है कि तय समय में न मानने पर कार्रवाई होगी। यह कदम उस कानून के तहत उठाया गया है जिसे 1 मार्च 1950 को लागू किया गया था।

उल्लेखनीय है कि विभाजन के बाद पूर्वी पाकिस्तान से बड़े पैमाने पर प्रवासन को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच 1 मार्च, 1950 को अप्रवासी (असम से निष्कासन) अधिनियम, 1950 को अधिनियमित किया गया था। असम द्वारा आव्रजन संबंधी जनसांख्यिकीय दबावों के प्रबंधन हेतु एक कानूनी ढांचे की मांग के बाद इसे लागू किया गया था। नागरिकता एक संघ विषय होने के कारण अवांछनीय अप्रवासी (असम से निष्कासन) अधिनियम का मसौदा केंद्र ने तैयार किया था, लेकिन संचालन संबंधी शक्तियां असम को सौंप दीं। महत्वपूर्ण बात यह है कि इसमें विभाजन के दौरान मानवीय चिंताओं को स्वीकार करते हुए पाकिस्तान में नागरिक अशांति से भाग रहे शरणार्थियों को शामिल नहीं किया गया। 1950 में बने इस कानून को इतने लंबे समय बाद पहली बार इस तरह कठोर रूप में उपयोग किया गया है। भाजपा सरकार का कहना है कि राज्य की सुरक्षा, संसाधनों की रक्षा और अवैध घुसपैठ को रोकने के लिए ऐसा करना आवश्यक हो गया था। वहीं आलोचकों का मत है कि बिना ट्रिब्यूनल या न्यायिक सुनवाई के सीधा निष्कासन लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर सवाल उठाता है। यह फैसला चाहे जितना विवादित हो, लेकिन इतना तय है कि इसने पूरे देश में तीखी बहस छेड़ दी है। और विदेशी घुसपैठियों को देश से बाहर करने की इच्छा रखने वाले सरकार समर्थक इससे अत्यंत प्रसन्न हैं कि चलो सरकार के प्रयास से इनसे निजात पाने का एक सहज, सुगम और आसान तंत्र एक बार पुनः सक्रिय हो सका।

अप्रवासी (असम के निष्कासन) अधिनियम 1950 अधिनियम केंद्र सरकार को सामान्यतः भारत के बाहर का निवासी होने, 1950 से पहले या बाद में असम में प्रवेश करने वाले और जिसकी उपस्थिति से भारत की आम जनता

झारखंड

पाइपलाइन फटने से हर दिन हजारों लीटर पानी हो रहा बर्बाद, सड़क कीचड़ में तब्दील

GANDIV REPORTER

पलामू। हवाई अड्डा के सामने राम जानकी नगर में हर दिन सड़क पर हजारों लीटर पानी बर्बाद हो रहा है। जानकारी के अनुसार, करीब एक माह पहले पाइपलाइन बिछाने के दौरान पुरानी पाइप फट गई थी और तब से हर दिन सड़क पर पानी बह रहा है।

पानी बहने के कारण पूरा इलाका कीचड़ में तब्दील हो गया है, जिससे लोगों को आने-जाने में भी काफी परेशानी हो रही है। लगातार पानी बहने से सड़क पर कीचड़ की परत जम गई है और रास्ता फिसलदार हो गया है। कई दोपहिया वाहन चालक मजबूरन इसी रास्ते से गुजर रहे हैं, जिससे उन्हें फिसलने का डर बना रहता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क का निर्माण तो कर दिया गया, लेकिन पाइपलाइन को ज्यों का त्यों छोड़ दिया गया। फटी पाइपलाइन से लगातार पानी बहने से एक ओर जहां पेयजल की भारी बबार्दी हो रही है। वहीं दूसरी ओर आसपास के घरों में जलापूर्ति भी प्रभावित होने लगी है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि नगर निगम को कई बार इस समस्या की जानकारी दी गई। लेकिन अब तक मरम्मत कार्य शुरू नहीं हुआ है। निगम कर्मी के मौके पर नहीं पहुंचने से लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। लोगों ने नगर निगम प्रशासन से पाइपलाइन की तत्काल मरम्मत कराने की मांग की है। इस संदर्भ में सहायक नगर आयुक्त प्रमोद उरांव ने कहा कि टीम भेजकर जल्द ही इसकी मरम्मत कर दी जाएगी।

बंगाल से बिहार जा रहा था आलू से लदा ट्रक

प्रशासन ने रोका तो मिली 75 लाख रुपये की शराब

GANDIV REPORTER

गिरिडीह। शराब तस्करों के खिलाफ गिरिडीह उत्पाद विभाग को बड़ी सफलता हाथ लगी है। उत्पाद विभाग ने बंगाल से बिहार जा रहे एक ट्रक को पकड़ा है। ट्रक के ऊपर आलू की बोरियां लदी थीं, जबकि अंदर शराब की पेटियां। ट्रक में शराब की कुल 8 सौ पेटियां मिली हैं, जिसकी कीमत लगभग 75 लाख आंकी गई है। इस दौरान एक कार भी जब्त की गई है, जो ट्रक को स्कॉट कर रही थी।

जिन शराब की पेटियों को बरामद किया गया है, उसमें मेड इन चंडीगढ़ लिखा हुआ है। अब उत्पाद विभाग इस बात की पड़ताल कर रही है कि शराब नकली है या असली। उत्पाद विभाग के अवर निरक्षक रवि रंजन ने बताया कि तस्कर कृषि उपज के इस्तेमाल को ढाल बनाकर शराब की तस्करी कर रहे हैं, ताकि जांच से बचा जा सके। तस्करों की योजना शराब को बिहार भेजने की थी लेकिन समय पर सूचना मिल गई और शराब को जब्त किया गया।

रवि रंजन ने बताया कि कार्रवाई के दौरान मौके पर से हरिंदर सिंह, बिंदर सिंह, हरपीत सिंह और दीपक कुमार को गिरफ्तार किया गया। सभी आरोपी पंजाब और हरियाणा के निवासी बताए जा रहे हैं। प्राथमिक पूछताछ में कुछ महत्वपूर्ण जानकारियां सामने आई हैं, जिसके आधार पर उत्पाद विभाग तस्कर नेटवर्क को खंगाल रहा है।

अवर निरीक्षक रवि रंजन ने बताया कि यह कार्रवाई तस्करों और माफिया के खिलाफ बड़ी उपलब्धि है। अवैध शराब कारोबार से राज्य को भारी राजस्व नुकसान हो रहा था। विभाग ने आश्वासन दिया है कि इस प्रकार की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी और तस्करों के नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए निगरानी और कड़ी की जाएगी।

हजारीबाग पुलिस को हाथ लगी सफलता बाइक चोर गिरोह का किया भंडाफोड़

GANDIV REPORTER

हजारीबाग। पुलिस ने बाइक चोर गिरोह के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए जिले में सक्रिय एक संगठित चोरी गिरोह का भंडाफोड़ कर दिया है। पुलिस ने विभिन्न स्थानों से कुल छह अपराधियों को गिरफ्तार किया है, जबकि इनके पास से आठ चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की गई है। इस सफलता की जानकारी सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अमित आनंद ने प्रेस वार्ता कर दी।

हजारीबाग पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन को गुप्त सूचना मिली थी कि दो युवक चोरी की मोटरसाइकिल के साथ पेलावल ओपी क्षेत्र स्थित छड़वा डैम के पास किसी आपराधिक घटना को अंजाम देने की फिराक में घूम रहे हैं। सूचना के आधार पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए छड़वा डैम के पास से मोत्सम अंसारी उर्फ गोलू और अविवकाश मलिक उर्फ अरबाज को एक चोरी की मोटरसाइकिल के साथ पकड़ लिया।

कोडरमा स्टेशन पर जीआरपी की कार्रवाई 40 लाख नगद के साथ पकड़ा गया युवक

GANDIV REPORTER

कोडरमा। कोडरमा रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 3 पर एक युवक को 40 लाख कैश के साथ पकड़ा गया। जीआरपी इंचार्ज उपेंद्र कुमार को सूचना मिली कि एक आदमी कोडरमा से कोलकाता (पश्चिम बंगाल) ट्रेन से बड़ी रकम कैश लेकर जा रहा है। सूचना को वेरिफाई करने के लिए जीआरपी टीम ने कोडरमा स्टेशन के अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर चेकिंग शुरू की। इसी बीच, प्लेटफॉर्म नंबर 3 पर एक युवक बैग के साथ खड़ा मिला।

शक होने पर जब उसके बैग की तलाशी लेने के लिए कहा गया, तो युवक ने मना कर दिया। इसके बाद युवक और उसके बैग को पूछताछ के लिए जीआरपी पोस्ट लाया गया। उसके बैग से 40 लाख कैश बरामद हुए।

युवक की पहचान 19 साल के अमित कुमार के रूप में हुई है, जो जमुई के सिकंदरा का रहने वाला है। पूछताछ में उसने बताया कि वह सोने-चांदी का व्यापारी है और शॉपिंग के लिए कोलकाता पैसे ले जा रहा था। जीआरपी ने उससे पैसे से जुड़े डॉक्यूमेंट्स दिखाने को कहा। उसने इसके लिए कोई डॉक्यूमेंट्स नहीं दिखाए।

जीआरपी इंचार्ज उपेंद्र कुमार ने बताया कि मजिस्ट्रेट के सामने उक्त पैसे की सीजर लिस्ट तैयार की जाएगी और अमित कुमार को इनकम टैक्स डिपार्टमेंट को सौंप दिया जाएगा। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की टीम को इस बारे में बता दिया गया है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार युवक से जब डॉक्यूमेंट्स दिखाने के लिए कहा गया तो वह लगातार अपना बयान बदल रहा है। उसने डॉक्यूमेंट्स दिखाने के लिए जीआरपी से एक दिन का समय मांगा था, लेकिन अब उसका कहना है कि वह कैश में सोने-चांदी का काम करता है, इसलिए उसके पास डॉक्यूमेंट्स नहीं हैं।

RNI NO : JHABIL/2019/85684, Printed and Published by SHREE KANT SINGH on behalf of M/s PAHARI BABA VENTURES PVT LTD and Printed at KHABAR MANTRA PRESS, M/s VRINDA MEDIA PUBLICATIONS PVT LTD, Plot no-342,344 Chiroundi, Boreya Road, Ranchi, Jharkhand-834008 and Published at B-13, JP Market, Dhurwa, Ranchi-834004, Jharkhand, Ph.-06207706623. Editor- **Amarkant*** responsible for selection of news under the PRB Act.

शरीर में हाई यूरिक एसिड लेवल को कम करने के लिए यह घरेलू नुस्खे जरूर अपनाएं

अगर आप रोजाना प्यूरीन से भरपूर खाना या ड्रिंक्स लेते हैं, तो आपके शरीर में यूरिक एसिड की मात्रा बढ़ जाती है। यूरिक एसिड का लेवल बढ़ने से कई हेल्थ प्रॉब्लम हो सकती हैं, जिसमें गाउट और किडनी स्टोन शामिल हैं। यूरिक एसिड जोड़ों में क्रिस्टल बना सकता है, जिससे गाउट होता है, और किडनी में भी जमा हो सकता है, जिससे स्टोन बन सकते हैं। आम तौर पर, शरीर किडनी के जरिए यूरिक एसिड को बाहर निकालता है। लेकिन, अगर लेवल बहुत ज्यादा हो जाता है, तो यह ब्लडस्ट्रीम में चला जाता है और हाइपरयूरिसीमिया का कारण बनता है। मेडलाइन प्लस वेबसाइट के अनुसार, जब शरीर में ज्यादा यूरिक एसिड होता है, तो यह जोड़ों में क्रिस्टल के रूप में जमा हो जाता है, जिससे गाउट नाम की दर्दनाक कंडीशन होती है। ये क्रिस्टल दर्द, सूजन और लालिमा पैदा करते हैं, और यह प्रॉब्लम बड़े पैर के अंगूठे से दूसरे जोड़ों में फैल सकती है। यह तब होता है जब शरीर या तो बहुत ज्यादा यूरिक एसिड बनाता है या किडनी इसे काफी मात्रा में बाहर नहीं निकाल पाती है। इससे रात में जोड़ों में तेज दर्द होता है, खासकर बड़े पैर के अंगूठे में, जो गाउट का एक मुख्य लक्षण है। समय के साथ, यह जोड़ों, हड्डियों और टेंडन को नुकसान पहुंचाता है, जिससे दिल की बीमारी, डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर, किडनी की बीमारी और फैटी लिवर जैसी गंभीर दिक्कतें हो सकती हैं। यूरिक एसिड कम करने के लिए, आपको अपनी रोज की लाइफस्टाइल में बदलाव करने होंगे। एक्सरसाइज, पौष्टिक खाना और अच्छी नींद आपके शरीर को दर्द से निपटने में मदद करेगी। कैफीन और शराब से बचने से भी शरीर में यूरिक एसिड कम करने में मदद मिलेगी। इसके अलावा, आइए कुछ जड़ी-बूटियों के बारे में जानें जो यूरिक एसिड कम करने में मदद कर सकती हैं।

गुड़हल या हिबिस्कस का जूस: साइंस डायरेक्ट के अनुसार, गुड़हल का जूस और चाय, चाहे सुखाकर या सीधे पानी में उबालकर, यूरिक एसिड का लेवल तेजी से कम कर सकती है। यह चाय यूरिन के जरिए यूरिक एसिड को बाहर निकालने में मदद करती है। गुड़हल को पानी में 5 मिनट तक उबालें, गुनगुना होने पर छान लें और पी लें।

डैंडेलियन: डैंडेलियन एक ऐसा पौधा है जो यूरिक एसिड कम करने में मदद करता है। सुबह-सुबह इसकी चाय बनाकर बार-बार पीने से अच्छे नतीजे मिल सकते हैं।

सेलेरी: सेलेरी में एंटीऑक्सीडेंट, एंटी-इंफ्लेमेटरी, एंटीबैक्टीरियल और एंटीवायरल गुण भरपूर होते हैं। ये आर्थराइटिस से जुड़ी समस्याओं और यूरिक एसिड के लेवल को कम करने में असरदार हैं।

अदरक: अदरक की चाय या अदरक से बनी चीजें भी दर्द और सूजन कम करने में मदद कर सकती हैं। अदरक को सीधे उबालकर, कपड़े में लपेटकर दर्द वाली जगह पर लगाने से भी आराम मिल सकता है।

केला: रोजाना एक केला खाने से यूरिक एसिड का लेवल कंट्रोल करने में मदद मिलती है। केले में काफी पोटैशियम होता है, जो आपके अंगों को ठीक से काम करने में मदद करता है। इसके अलावा, इनमें मौजूद फाइबर शरीर में यूरिक एसिड को कम करने में मदद करता है।

मैग्नीशियम: मैग्नीशियम का रेगुलर सेवन यूरिक एसिड लेवल को कम कर सकता है। बादाम और काजू जैसे नट्स, और पालक और कद्दू जैसी सब्जियों में मैग्नीशियम भरपूर होता है।

एप्पल साइडर विनेगर: एप्पल साइडर विनेगर न केवल यूरिक एसिड लेवल को कम करने में बल्कि पूरी हेल्थ को बेहतर बनाने में भी बहुत मददगार है।

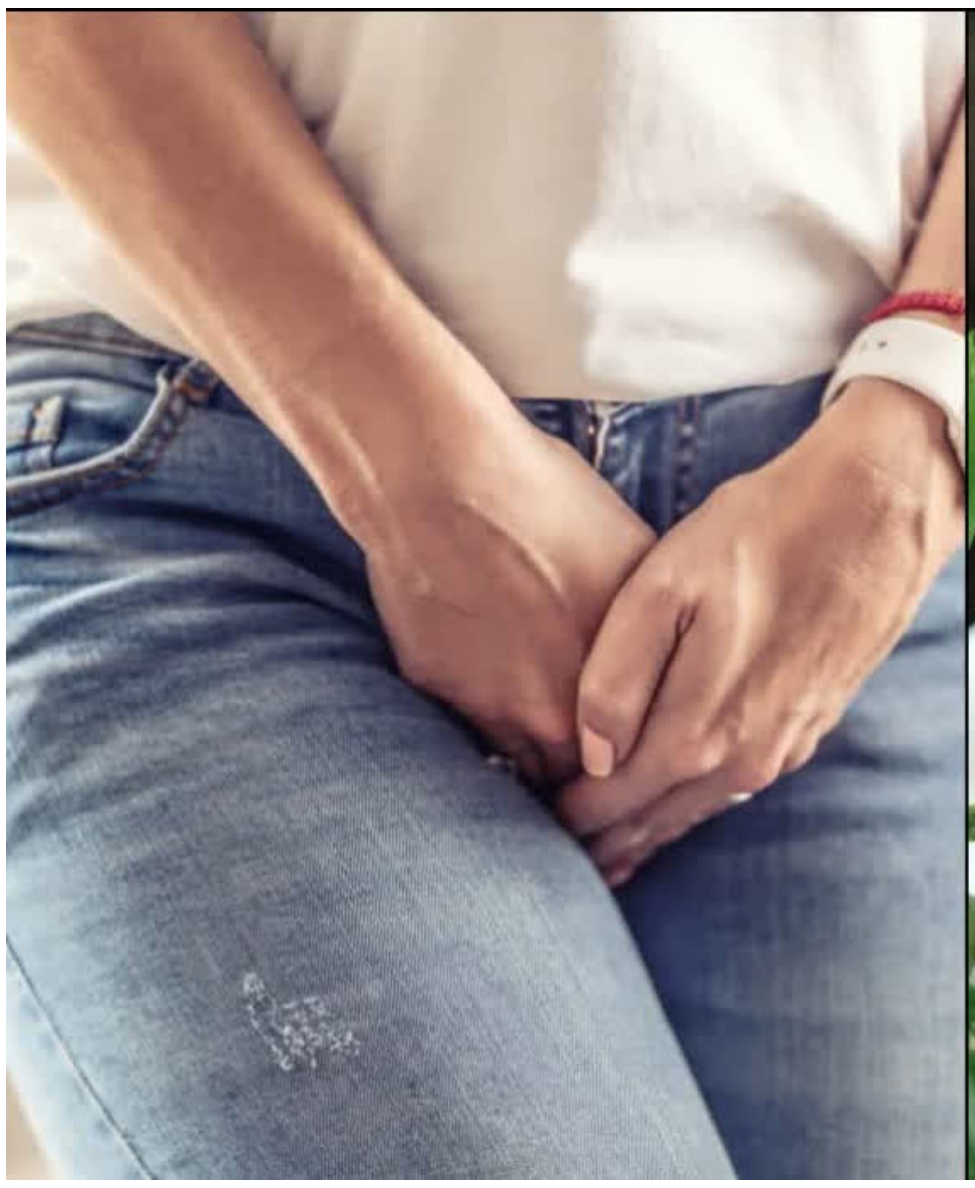

साग बनाने के लिए किस धातु के बर्तन का इस्तेमाल है सही?

जानें इसे और पौष्टिक बनाने का तरीका

सर्दियों के मौसम की कई खासियतों में से एक इन दिनों बनने वाला खाना भी है। एक चीज जिसके बिना सर्दियों की थाली अधूरी है वो है साग। सर्दियों में बाजार ढेर सारी हरी पत्तेदार सब्जियों से भर जाता है, जिनसे बहुत ही स्वादिष्ट और पौष्टिक साग बनाकर तैयार किया जाता है। साग बनाने की रेसिपी तो लगभग हर एक घर की ही जरा सी अलग होती है लेकिन साग बनाने के कुछ बेसिक नियम हैं जो आपको जरूर जान लेने चाहिए। सबसे जरूरी तो यही जानना है कि साग को किस बर्तन में पकाया जाए ताकि उसका भरपूर फायदा हमारी सेहत को मिल सके। तो चलिए आज इसी बारे में जानते हैं कि साग को पकाने के लिए किस बर्तन का इस्तेमाल करना बेहतर है।

साग बनाने के लिए इस्तेमाल में लाएं इस धातु के बर्तन

हमारे बड़े-बुजुर्ग खाने को पकाने की विधि पर बहुत ध्यान देते थे, इसलिए हर भोजन को पकाने के लिए उपयुक्त धातु के बर्तन का इस्तेमाल करना जरूरी माना जाता था। अब सर्दियों में साग की ही बात की जाए तो साग को लोहे की कढ़ाई में पकाना ज्यादा अच्छा माना जाता है। ऐसा इसलिए क्योंकि साग को लोहे की कढ़ाई में पकाने पर इसमें विटामिन सी और आयरन की भरपूर मात्रा बनी रहती है। ऐसे साग का सेवन करने पर शरीर में आयरन और कई पोषक तत्वों की कमी नहीं होती है। साथ ही ये ओवरऑल सेहत के अलावा स्किन और बालों के लिए भी काफी फायदेमंद होता है।

लोहे की कढ़ाई में खाना पकाते समय जरूर ध्यान रखें ये बातें

लोहे की कढ़ाई में कुछ भी पकाते समय कुछ बातें आपको जरूर ध्यान में रखनी चाहिए। सबसे पहले तो साग में खट्टी और विटामिन सी युक्त सब्जियों को बनाने से बचें। इससे आपकी सब्जी का रंग भी काला हो जाएगा और स्वाद भी बिगड़ सकता है। इसके अलावा लोहे की कढ़ाई में जंग ना लगे इसके लिए आप उसे धोने के तुरंत बाद अच्छे से पोंछ लें और फिर सरसों का तेल लगाकर रख दें। लोहे की कढ़ाई में सब्जी या साग बना रहे हैं तो उसमें टमाटर डालने से भी बचें।

बच्चों को जंक फूड खिलाने वाले पेरेंट्स हो जाएं सावधान, आंखों पर पड़ सकता है बुरा असर

जंक फूड के प्रति लोगों का क्रेज दिनों-दिन बढ़ता जा रहा है। लेकिन बात अगर बच्चों की करें तो पिज्जा, बर्गर और नूडल्स के प्रति उनकी दीवानगी अलग ही लेवल पर है। आजकल के बच्चे रोटी-सब्जी की जगह लंच और डिनर में बर्गर और पिज्जा खाना ज्यादा पसंद करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं फास्ट फूड के लिए बच्चों का यह प्यार लंबे समय में उन्हें हृदय संबंधी समस्याएं, मधुमेह और कैंसर जैसे जानलेवा रोगों के करीब ला रहा है। कुछ समय पहले एक खबर आई थी कि जंक फूड खाने की लत ने ब्रिटेन के एक 17 साल के लड़के को अंधा और बहरा बना दिया। वह जंक फूड के अलावा कुछ और नहीं खाता था। जिससे वह कुपोषण का शिकार हो गया। विशेषज्ञों की मानें तो जंक फूड का अधिक सेवन ना सिर्फ बच्चों में मोटापे का खतरा बढ़ाता है बल्कि इससे बच्चों की दृष्टि पर भी बुरा असर पड़ता है।

यही वजह है कि डॉक्टर्स अकसर बच्चे के जन्म के समय से ही उसके न्यूरोलॉजिकल विकास और बेहतर इम्यूनिटी के लिए बच्चे को स्तनपान करवाने की सलाह देते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि कुपोषण से पीड़ित बच्चों में अकसर खराब दृष्टि, कमजोर मांसपेशी,तंत्रिका संबंधी असंतुलन और कई गंभीर मामलों में दिल से संबंधित रोग और मृत्यु भी हो सकती है। बता दें, बच्चे के जन्म के प्रारंभिक वर्षों के दौरान, उसकी नजर महत्वपूर्ण विकास के दौर से गुजर रही होती है। ऐसे में जंक फूड का अधिक सेवन शरीर में किसी भी प्रकार की पोषण संबंधी कमी और कमजोर दृष्टि का कारण बन सकता है।

जरूरत से ज्यादा जंक फूड खाने से होते है ये नुकसान

हाई बीपी

जंक फूड में मौजूद सोडियम की अधिकता रक्तचाप की समस्या को बढ़ा सकती है। जिसकी वजह से बच्चे की आंखों की संरचना को नुकसान पहुंचाता है। जिसकी वजह से धुंधली दृष्टि, आंख के भीतर रक्तस्राव या ग्लूकोमा की समस्या हो सकती है, जो कई बार दृष्टि हानि या अंधापन का कारण भी बन सकती है।

कोरॉइडोपैथी

सेंट्रल सीरस कोरियोरेटिनोपैथी (सीएससी) एक ऐसी स्थिति है जिसमें रेटिना के नीचे तरल पदार्थ जमा हो जाता है। बता दें, कोरॉइड, रेटिना को पोषक तत्व देने वाली रक्त वाहिकाओं की परत होती है। सीएससी आमतौर पर एक आंख को प्रभावित करती है, लेकिन कभी-कभी दोनों आंखें भी प्रभावित हो सकती हैं। सीएससी की वजह से धुंधला दिखना या काले धब्बे दिखना जैसी दृष्टि विकृति हो सकती है।

कमजोर रक्त वाहिका

आंखों की सेहत अच्छी बनाए रखने के लिए विटामिन और खनिज महत्वपूर्ण होते हैं। इन पोषक तत्वों की कमी से आंखों के ऊतक कमजोर हो सकते हैं, जिससे कॉर्नियल डिजनरेशन या कमजोर रक्त वाहिकाओं जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

सलाह

विशेषज्ञों के अनुसार, पैकेट में मिलने वाली सलाद की ड्रेसिंग, मेयोनीज, केचअप, बारबेक्यू सॉस जैसी वसा से भरी हुई चीजों का उपयोग करने से बचें। ये सभी चीजें शर्करा, वसा और एडिटिव्स से भरी हुई होती हैं। इसकी जगह बच्चे को विटामिन से भरपूर फल और सब्जियां खाने के लिए दें। जिससे आंखों की सेहत को अच्छा बनाए रखने में मदद मिल सकती है। इसमें आप खट्टे फल जैसे संतरे और अंगूर, कीवी, कच्ची गाजर, हरी पत्तेदार सब्जियां जैसी चीजें बच्चों की डाइट में शामिल कर सकते हैं।

कड़ाके की ठंड से जम गया कैलाश का पार्वती सरोवर और गौरी कुंड

GANDIV REPORTER

पिथौरागढ़। उत्तराखंड के सीमांत जिला पिथौरागढ़ में ठंड का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। हाड़ कंपाने वाली ठंड से जहां लोग परेशान हैं, वहीं सीमांत धारचूला में व्यास घाटी स्थित ज्योलिंगकांग में 14,500 फुट की ऊंचाई पर स्थित आदि कैलाश में ठंड के चलते पार्वती और गौरी कुंड का पानी ही जम गया है। कुंड के जमे पानी का वीडियो वायरल हो रहा है। हालांकि ईटीवी भारत इस वीडियो की पुष्टि नहीं करता है।

आदि कैलाश के आधार में जम गए पार्वती और गौरी कुंड: तापमान में गिरावट आने से रात के समय उच्च हिमालयी क्षेत्रों में झरने और तालाबों का पानी जमने लगा है। ग्राम पंचायत रांगकांग निवासी नरेंद्र सिंह रोंकली ने बताया कि चार दिन पूर्व वह आदि कैलाश दर्शन के लिए गए थे। उन्होंने बताया कि अधिक ठंड होने से पार्वती कुंड का 80-90 फीसदी पानी जम गया है। इसके अलावा आदि कैलाश पर्वत के नीचे स्थित गौरी कुंड का पानी भी पूरी तरह से जमने से इसका प्रवाह थम गया है।

आदि कैलाश इलाके में माइनस में हैं दोनों तापमान: ग्राम प्रधान कुटी नगेंद्र सिंह कुटियाल ने बताया कि क्षेत्र में रात में तापमान माइनस 5 से माइनस 10 डिग्री तक पहुंच रहा है। आदि कैलाश में स्थित शिव-पार्वती मंदिर के कपाट पांच नवंबर को बंद हो गए थे। इसके बावजूद अभी भी कुछ पर्यटक आदि कैलाश और ॐ पर्वत दर्शन को पहुंच रहे हैं। आदि कैलाश से अधिकांश स्थानीय होटल और घोड़े-खच्चर संचालक धारचूला लौट चुके हैं। वहां अब एक-दो होटल संचालक और सुरक्षा कर्मी ही मौजूद हैं। पानी जमने से उन्हें दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। पिथौरागढ़ जिले के विभिन्न हिस्सों में ठंड का कहर बना हुआ है।

पिथौरागढ़ जिले में है आदि कैलाश: आदि कैलाश उत्तराखंड के सीमांत जिले पिथौरागढ़ एक पवित्र पर्वत शिखर है। इसे शिव कैलाश, छोटा कैलाश या बाबा कैलाश के नाम से भी लोग पुकारते हैं। यह पंच कैलाशों में से एक है। आदि कैलाश पर भगवान शिव और माता पार्वती का निवास स्थान माना जाता है। सनातन धर्मावलंबियों के लिए आदि कैलाश की पवित्र यात्रा धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व रखती है। आदि कैलाश के आधार पर गौरीकुंड जिसे ज्योलिंगकांग झील भी कहते हैं और पार्वती ताल जैसी पवित्र झीलें हैं।

ठंड का प्रकोप : श्रीनगर, शोपियां, जोजिला में मौसम बेहद खराब, पारा -16 डिग्री तक गिरा

GANDIV REPORTER

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर का बड़ा हिस्सा बृहस्पतिवार को ठंड से कांप उठा। रात के समय तापमान में रिकॉर्ड गिरावट दर्ज की गई। कई जगहों पर तापमान जवाव बिंदु से काफी नीचे चला गया और श्रीनगर में तापमान माइनस 4.4 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया।

मौसम विभाग के अधिकारियों के डेटा के मुताबिक कश्मीर घाटी में रात में न्यूनतम तापमान में भारी गिरावट देखी गई। शोपियां घाटी का सबसे ठंडा इलाका रहा, जहां तापमान माइनस 6.5 डिग्री सेल्सियस रहा, इसके बाद पुलवामा और बारामूला का नंबर आता है, जहां तापमान माइनस 5.8 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। अनंतनाग में तापमान माइनस 5.7 डिग्री रिकॉर्ड किया गया जबकि पंपोर और श्रीनगर एयरपोर्ट एरिया में भी तापमान क्रम से माइनस 5.5 डिग्री और माइनस 5.2 डिग्री रहा। श्रीनगर शहर में तापमान माइनस 4.4 डिग्री तक गिर गया, जो कुपवाड़ा के बराबर है। काजीगुंड और अवंतीपोरा में तापमान माइनस 4 डिग्री रहा, जबकि गंदेरबल में माइनस 3.3 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। स्की डेस्टिनेशन गुलमर्ग में माइनस 1 डिग्री और कोकेरनाग में माइनस 1.6 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। सोनमर्ग एक और पॉपुलर टूरिस्ट स्पॉट तापमान माइनस 4 डिग्री पर ठंडा रहा। हालांकि, घाटी में सबसे ज्यादा तापमान स्ट्रेटेजिक जोजिला दर्रे पर रहा, जहाँ पारा माइनस 16 डिग्री सेल्सियस पर अटका हुआ है।

10 लाख महिलाओं के खाते में कल नीतीश भेजेंगे 10-10 हजार

GANDIV REPORTER

पटना। शुक्रवार (28 नवंबर) को बिहार सरकार, मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना 2025 के तहत दस लाख जीविका दीदीयों के खाते में 10-10 हजार रुपये भेजेगी। अबतक एक करोड़ चालीस लाख महिलाओं को राशि भेजी जा चुकी है। बिहार विधानसभा चुनाव के बाद यह पहली किस्त है, जबकि अबतक सरकार ने सात किस्तों का ट्रांसफर कर दिया है।

10 लाख महिलाओं के खाते में 10-10 हजार: नीतीश कुमार के ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने इस बात की जानकारी देते हुए बताया कि 14 दिसंबर तक सभी पात्र महिलाओं को भुगतान सुनिश्चित किया जाएगा। सीएम नीतीश कुमार खुद डीबीटी के माध्यम से शुक्रवार को राशि हस्तांतरित करेंगे। ग्रामीण और शहरी क्षेत्र की इतनी महिलाओं को लाभः श्रवण कुमार ने बताया कि 10 लाख महिलाओं के खाते में 28 नवंबर को 10-10 हजार रुपये भेजे जाएंगे। मुख्यमंत्री स्वयं जीविका समूह से जुड़ी ग्रामीण क्षेत्र की 9।50 लाख और शहरी क्षेत्रों की 50 हजार महिलाओं के बैंक खाते में सीधे डीबीटी के जरिए पैसा ट्रांसफर करेंगे।

6 अक्टूबर से 26 दिसंबर तक किस्तें : जो शेड्यूल बनाया गया था उसके मुताबिक 17 अक्टूबर, 24 अक्टूबर , 31 अक्टूबर, 7 नवंबर, 14 नवंबर, 21 नवंबर , 28 नवंबर और 5 दिसंबर को राशि भेजने का था। सूत्रों के अनुसार 6 सितंबर तक जितने भी आवेदन आए थे उसके अनुसार जीविका के माध्यम से पात्र महिलाओं को राशि भेजी गई है और यह संख्या बढ़कर एक करोड़ 40 लाख महिलाओं तक पहुंच चुका है। **6 महीने के आकलन के बाद 2 लाख की राशि:** जीविका ने यह भी साफ कर दिया है कि यह राशि महिलाओं को रोजगार के लिए दी गई है। यह सरकार के तरफ से अनुदान के तौर पर दिया गया है। नीतीश सरकार ने मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत 6 महीने के बाद आकलन कर 200000 की और सहायता देने की घोषणा भी की है।

रेड लाइट एरिया से 17 लड़कियां रेस्क्यू

रोहतास। बिहार के रोहतास में ऑर्केस्ट्रा की आड़ में चल रहे संदिग्ध गतिविधियों के खिलाफ रोहतास पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। रोहतास जिला के नासरीगंज थाना क्षेत्र के बरडिहा गांव स्थित रेड लाइट एरिया से पुलिस ने 17 लड़कियों को रेस्क्यू किया है। यह लड़कियां छत्तीसगढ़ और बिहार के अलग-अलग शहरों की हैं।

पुलिस ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि बरडिहा में ऑर्केस्ट्रा के बहाने बड़े पैमाने पर नाबालिग लड़कियों को लाकर गलत काम कराया जा रहा है। इस सूचना पर पुलिस ने टीम गठित करते हुए बरडिहा के इलाके में रेड की। नासरीगंज थाना पुलिस की टीम को छापेमारी के दौरान एक मकान के अंदर से कई लड़कियां मिलीं। जिसके बाद टीम ने सभी लड़कियों को जांच के लिए सासाराम सदर अस्पताल भेजा। जहां जांच के बाद सभी लड़कियों को महिला कल्याण समिति को सौंप दिया गया। इस दौरान नासरीगंज थाना में कांड संख्या 395/25 विभिन्न धाराओं में दर्ज किया गया है। एसपी रौशन कुमार ने आगे बताया कि दोषियों पर त्वरित कार्यवाही करने के लिए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, विक्रमगंज के नेतृत्व में एक पुलिस टीम का गठन किया गया।

व्हाइट हाउस के पास फायरिंग, 2 नेशनल गार्ड्स घायल, गिरफ्तार

GANDIV REPORTER

वाशिंगटन डीसी। अमेरिका में व्हाइट हाउस के पास नेशनल गार्ड्स के 2 जवानों को गोली मार दी गई। इस मामले में एक अफगान शरणार्थी को हिरासत में लिया गया है। एफबीआई अधिकारियों के मुताबिक, हमले में शामिल संदिग्ध की पहचान 29 साल के रहमानुल्लाह लाकनवाल के तौर पर हुई है। वह अगस्त 2021 में अफगानिस्तान से अमेरिका आया था। उसने 2024 में शरणार्थी के दर्जे के लिए अप्लाई किया था और उसे अप्रैल 2025 में मंजूरी मिली थी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इसे आतंकी घटना करार दिया है। उन्होंने कहा कि इसमें जो भी शामिल हैं, उन्हें इसकी भारी कीमत चुकानी होगी। उन्होंने अमेरिका में अफगान शरणार्थियों की तुरंत एंट्री रोकने का ऐलान किया है।

यह हमला फैरागट वेस्ट मेट्रो स्टेशन के पास हुआ, जहां लाकनवाल कुछ समय तक इंतजार करता रहा और फिर अचानक अमेरिकी समयानुसार दोपहर 2:15 बजे के आसपास उसने गोलीबारी शुरू कर दी।

अफगानिस्तानी हमलावर गिरफ्तार, ट्रम्प बोले- यह आतंकी हमला, अफगान शरणार्थियों के आने पर रोक लगाई

न्यूयॉर्क पोस्ट के मुताबिक, उसने पहले एक महिला गार्ड को सीने में गोली मारी और फिर सिर में। इसके बाद उसने दूसरे गार्ड पर फायर किया। उसी समय पास ही मौजूद तीसरे गार्ड ने लाकनवाल पर चार गोलियां चलाई, जिसके बाद हमलावर को काबू कर लिया गया। हमलावर को लगभग बिना कपड़ों के एम्बुलेंस में ले जाया गया। न्यूज के मुताबिक लाकनवाल के एक रिश्तेदार ने बताया कि वह अफगानिस्तान के खोस्त प्रांत में पला-बढ़ा था। वह 4 साल पहले अमेरिका आया था और वॉशिंगटन के बेलिंगहैम शहर में अपनी पत्नी और पांच बच्चों के साथ रहता था। रिश्तेदार ने बताया कि लाकनवाला अमेरिका आने से पहले 10 साल तक अफगान सेना में काम कर चुका था और इस दौरान उसने अमेरिकी स्पेशल फोर्सेज के साथ मिलकर ऑपरेशन भी किए थे। रिश्तेदार के मुताबिक, लाकनवाल अपनी मिलिट्री सर्विस के दौरान कुछ समय कंधार के एक बेस पर तैनात रहा था। इस दौरान उसने अमेरिकी सैनिकों की मदद की थी। रिश्तेदार ने कहा कि उनकी लाकनवाल से कई महीनों से बात नहीं हुई थी। आखिरी बार जब बात हुई थी, तब लाकनवाल अमेजन के लिए काम कर रहा था।

चीन में दर्दनाक रेल हादसा, ट्रेन से कटकर 11 लोगों की मौत, दो घायल

नई दिल्ली। चीन के दक्षिणी प्रांत युन्नान में गुरुवार सुबह एक दर्दनाक रेल हादसा हुआ, जिसमें 11 लोगों की मौत हो गई जबकि दो लोग घायल हैं। यह दुर्घटना उस समय हुई जब भूकंपीय संकेतों की जांच के लिए चल रही एक परीक्षण ट्रेन कुनमिंग शहर के लुओयांग टाउन रेलवे स्टेशन पर निर्माण कर्मचारियों के समूह से टकरा गई।

चीन सेंट्रल टेलीविजन के अनुसार, गुरुवार सुबह लुओयांग टाउन स्टेशन के घुमावदार ट्रैक वाले हिस्से में निर्माण मजदूर किसी काम के सिलसिले में ट्रैक पर थे। इसी दौरान भूकंप मापने वाले उपकरण की टेस्टिंग कर रही ट्रेन तेज रफ्तार से वहां पहुंची और मजदूरों को कुचल दिया। हादसे में 11 मजदूरों की मौके पर मौत हो गई, जबकि 2 गंभीर रूप से घायल हुए।

दुर्घटना की जानकारी मिलते ही रेलवे अधिकारी और राहत-बचाव दल मौके पर पहुंच गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनका उपचार जारी है। रेलवे प्रशासन ने बताया कि स्टेशन पर सामान्य संचालन दोबारा शुरू कर दिया गया है।

पीएम मोदी ने भारतीय स्पेस स्टार्ट-अप स्काईरूट के इनफिनिटी कैंपस का उद्घाटन किया, रॉकेट विक्रम-ककको भी लॉन्च किया

GANDIV REPORTER

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए हैदराबाद में भारतीय स्पेस स्टार्ट-अप स्काईरूट इनफिनिटी कैंपस का उद्घाटन किया। पीएम मोदी ने स्काईरूट के पहले ऑर्बिटल रॉकेट, विक्रम-क को भी लॉन्च किया। इसमें सैटेलाइट को ऑर्बिट में लॉन्च करने की क्षमता है। अत्याधुनिक सुविधा वाले इस कैंपस में मल्टीपल लॉन्च व्हीकल को डिजाइन करने, डेवलप करने, इंटीग्रेट करने और टेस्ट करने के लिए लगभग 2,00,000 स्क्वायर फीट का वर्कस्पेस होगा, जिसमें हर महीने एक ऑर्बिटल रॉकेट बनाने की क्षमता होगी। स्काईरूट भारत की टॉप प्राइवेट स्पेस कंपनी है, जिसे पवन चंदना और भरत ढाका ने शुरू किया था।

दोनों इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के पुराने स्टूडेंट हैं और इसरो के पुराने साइंटिस्ट से अब उद्यमी बन गए हैं। पीएमओ की एक प्रेस रिलीज के मुताबिक नवंबर 2022 में स्काईरूट ने अपना सब-ऑर्बिटल रॉकेट, विक्रम-र लॉन्च किया और स्पेस में रॉकेट लॉन्च करने वाली पहली भारतीय प्राइवेट कंपनी बन गई।

इसे भारत को ग्लोबल स्पेस पावर बनाने की दिशा में एक कदम माना जा रहा है। इससे पहले बुधवार को पीएम मोदी ने हैदराबाद में सफ्रान एयरक्राफ्ट इंजन सर्विसेज की नई मेंटेनेंस, रिपेयर और ओवरहॉल फैसिलिटी का वर्चुअली उद्घाटन किया। इससे भारत के एविएशन सेक्टर में बहुत ज्यादा तेजी से हो रही ग्रोथ का पता चलता है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत बड़े सपने देख रहा है। बड़ा काम कर रहा है और सबसे अच्छा दे रहा है। उन्होंने इन्वेस्टर्स से डेवलप्ड इंडिया के सफर में को-क्रिएटर के तौर पर भारत आने की अपील की।

प्रधानमंत्री वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए समारोह में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि जीएमआर एयरोस्पेस और इंडस्ट्रियल पार्क में बनने वाली सफ्रान की सबसे बड़ी इंडियन इंजन मेंटेनेंस, रिपेयर और ओवरहॉल फैसिलिटी, ग्लोबल एमआरओ हब के तौर पर भारत की जगह को मजबूत करेगी। पीएम मोदी ने कहा कि यह फैसिलिटी हाई-वैल्यू एविएशन सर्विसेज को लोकलाइज करने की भारत की कोशिशों में एक अहम कदम है और हाई-टेक स्पेस की दुनिया में युवाओं के लिए अवसर बनाएगी। पीएम मोदी ने कहा, पिछले कुछ सालों में भारत का एविएशन सेक्टर बहुत तेजी से आगे बढ़ा है। आज भारत दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते घरेलू एविएशन मार्केट में से एक है। हमारा घरेलू मार्केट अब दुनिया भर में तीसरा सबसे बड़ा है। भारत के लोगों की उम्मीदें आसमान छू रही हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि भारत पहले विदेशी सुविधा पर निर्भर था। 85 फीसदी एमआरओ का काम विदेशी जमीन पर होता था। इसके कारण ज्यादा लागत आती थी और एयरक्राफ्ट लंबे समय तक ग्राउंडेड रहते थे। उन्होंने कहा कि सरकार अब इस स्थिति को बदलने के लिए काम कर रही है।

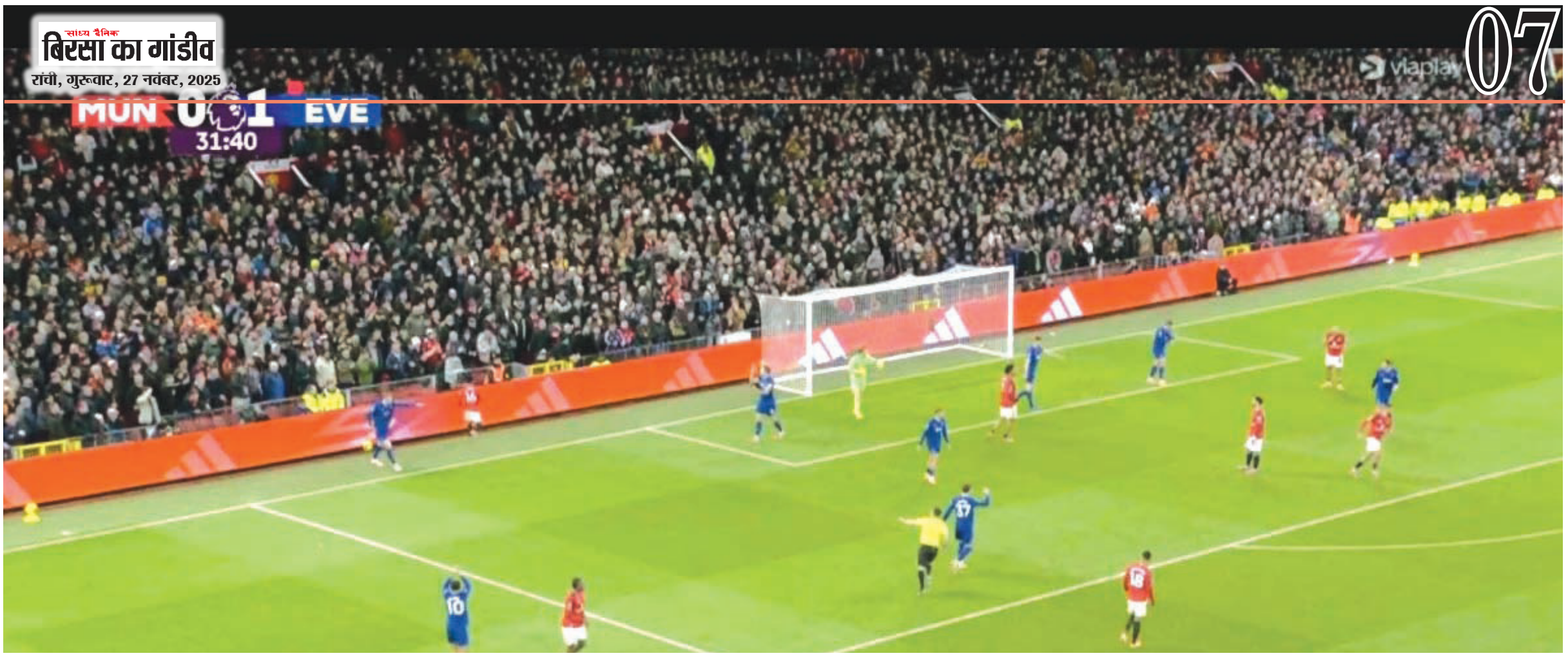

ओल्ड ट्रैफर्ड में 10 खिलाड़ियों वाली एवर्टन की ऐतिहासिक जीत, गुये के रेड कार्ड पर बोले डेविड मोयज

दूसरे टेस्ट में हार के बाद नहीं हटेंगे कोच पद से गौतम गंभीर

GANDIV REPORTER

नई दिल्ली। साउथ अफ्रीका के खिलाफ गुवाहाटी में अपने टेस्ट इतिहास की सबसे बड़ी हार भारतीय क्रिकेट टीम के खाते में आई है। साथ ही अफ्रीकी टीम से 25 साल बाद घर में सीरीज हारने और एक ही साल के अंदर दूसरी बार क्लीन स्वीप होने जैसे शर्मनाक रिकॉर्ड भी टीम इंडिया के नाम दर्ज हो गए हैं। इसके बाद टीम के हेड कोच गौतम गंभीर पर हर तरफ से उंगलियां उठ रही हैं। पुराने क्रिकेटर और एक्सपर्ट्स लगातार उन्हें हटाने की मांग कर रहे हैं, लेकिन बोर्ड फॉर क्रिकेट कंट्रोल इन इंडिया की प्लानिंग कुछ और ही है। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने बोर्ड के प्लान के बारे में बात की है। उन्होंने यह तो माना है कि भारतीय बल्लेबाजों की अपने घर में स्पिन के खिलाफ अयोग्यता आत्मा को झंझोड़ने वाली है, लेकिन साथ ही उन्होंने यह भी इशारा किया है कि फिलहाल टीम या मैनेजमेंट में आमूलचूल परिवर्तन नहीं होने जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा है कि पांच दिन चलने वाला विकेट ही टेस्ट क्रिकेट के लिए आदर्श होता है और प्लेयर्स को अलग-अलग वेन्यू पर अलग कंडीशंस में खेलने का आदी होना चाहिए।

बीसीसीआई बिना सोचे नहीं लेगा फैसला : सैकिया से बातचीत में पूछा कि कि साउथ अफ्रीका के खिलाफ घर में हार के बाद बीसीसीआई क्या कोई निर्णय लेने जा रहा है? सैकिया ने कहा,'बीसीसीआई को बिना सोचे-समझे कोई फैसला लेने की जरूरत नहीं है। हम हमारे लॉन्ग-टर्म प्लान पर चल रहे हैं। हार और जीत खेल का हिस्सा होती हैं। हमें हर बार बदलाव नहीं करते और अब भी नहीं करेंगे। यदि किसी बदलाव की जरूरत है तो हम एक खास पीरियड के बाद फैसला लेंगे।

सीमित ओवर में सफल टीम रेड बॉल में फेल क्यों? सैकिया से जब ये पूछा गया कि 13 महीने के दौरान सीमित ओवर क्रिकेट में सफल रही भारतीय टीम को टेस्ट क्रिकेट में दो बार व्हाइटवॉश का सामना करना बड़ा है। रेड बॉल क्रिकेट में क्या समस्या हो रही है? उन्होंने कहा,'आपको कई अहम चीजों को समझना होगा। सबसे पहले तीन बेहतरीन क्रिकेटर विराट कोहली, रोहित शर्मा और रविचंद्रन अश्विन ने टेस्ट क्रिकेट छोड़ दी। नए प्लेयर आकर सेट हो रहे हैं। इसलिए फिलहाल भारतीय टीम ट्रांजिशन से गुजर रही है। इसके चलते हमारे दोबारा दुनिया में नंबर-1 टेस्ट टीम की पोजीशन हासिल करने में थोड़ा समय लगेगा।

बरसापारा स्टेडियम में कैसी पिच मांगी थी टीम ने? सैकिया से पूछा गया कि ईडन में तीन दिन में हार के बाद बरसापारा की पिच वैसी नहीं थी। टीम इंडिया ने क्या निर्देश दिए थे? उन्होंने कहा,'मैं उअइ और ईडन गार्डंस से जुड़े डेवलपमेंट्स से वाकिफ नहीं हूं, लेकिन जहां तक बरसापारा की बात है तो इस पिच को बीसीसीआई के चीफ क्यूरेटर आशीष भौमिक ने अपने हिसाब से बनाया है। मेरे हिसाब से क्यूरेटिंग टीम को ऐसा शानदार विकेट बनाने के लिए पूरा क्रेडिट मिलना चाहिए। मैंने एक्सपर्ट्स को कहते हुए सुना है कि यह टेस्ट क्रिकेट के लिए परफेक्ट पिच था। प्लेयर को छोड़कर सबकुछ बदलता है और उसे कंडीशंस के हिसाब से ढलने की आदत होनी चाहिए। खेल का यही मतलब है और यही टेस्ट क्रिकेट की खूबसूरती है।

विदेशी स्पिनर सफर, हमारे फेल, ऐसा क्यों? सैकिया ने इस बात का भी जवाब दिया कि आजकल विदेशी स्पिनर भारत में आकर हमें परेशान कर रहे हैं, जबकि हमारे स्पिनर प्रभावी नहीं दिख रहे हैं। उन्होंने कहा,' इस पर हमें जरूर कुछ सोचना होगा। इसे लेकर चर्चा की जाएगी। यह भी बात होगी कि क्या हमारे सबसे अच्छे बैट्समैन आजकल स्पिन नहीं खेल पा रहे हैं। बहुत सारे विदेशी स्पिनर यहां बहुत सफल रहे हैं। चाहे पिछले साल न्यूजीलैंड सीरीज हो या अब साउथ अफ्रीका के खिलाफ सीरीज, उनके स्पिनर बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। लेकिन परेशानी की बात यह है कि हमारे सबसे अच्छे बैट्समैन इससे निपट नहीं पा रहे हैं। हमारे पास अपनी एक्सपर्ट्स की टीम और क्रिकेट कमेटियां हैं।

दर्शकों ने लगाए गंभीर हाय हाय के नारे

GANDIV REPORTER

कोलकाता। भारतीय क्रिकेट टीम का मुख्य कोच बनने के बाद पहली बार गौतम गंभीर की बुधवार को बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में कुछ प्रशंसकों के समूह ने गंभीर हाय हाय' के नारे लगाए जो दक्षिण अफ्रीका से दूसरे टेस्ट में मिली 408 रन की हार से काफी नाराज थे। गंभीर ने 2024 में यह पद संभाला था। हार से नाराज गुस्से में प्रशंसकों ने एक स्टैंड में गंभीर हाय हाय, वापस जाओ के नारे लगाने शुरू कर दिए। फिर स्टेडियम के अंदर ये नारे जोर जोर से गूंजने लगे। कोच ने कुछ देर के लिए गैलरी की तरफ देखा, फिर अपना चेहरा दूसरी तरफ कर लिया और कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

तुरंत ही खिलाड़ियों का ध्यान भी इस ओर गया। अंतिम एकादश के कई सदस्यों का ध्यान भी उनके नारों से भीड़ पर गया और वे इस हंगामे को घूर रहे थे।तभी तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने भीड़ को शांत रहने का इशारा किया। इसके तुरंत बाद सिराज और सहायक कोच सितांशु कोटक गैलरी के पास गए और उन्होंने इन खेल प्रेमियों से शांति की अपील की। समर्थकों का गुस्सा साफ दिख रहा था।गंभीर के कार्यकाल में भारतीय टीम अपनी सरजमीं पर पांच टेस्ट हार चुकी है। सितांशु कोटक ने यहा तक कहा कि आप उस आदमी के खिलाफ बोल रहे हैं जो देश के लिए इतना बोलता है। ट्विटर पर साझा हुए कुछ वीडियो में तो यहां तक देखा गया कि पुलिस को दर्शक दीर्घा में जाना पड़ा और क्रिकेट प्रशंसको को स्टेडियम के बाहर का रास्ता दिखाया। हार से नाराज गुस्से में प्रशंसकों ने एक स्टैंड में गंभीर हाय हाय, वापस जाओ के नारे लगाने शुरू कर दिए। फिर स्टेडियम के अंदर ये नारे जोर जोर से गूंजने लगे। कोच ने कुछ देर के लिए गैलरी की तरफ देखा, फिर अपना चेहरा दूसरी तरफ कर लिया और कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। तुरंत ही खिलाड़ियों का ध्यान भी इस ओर गया। अंतिम एकादश के कई सदस्यों का ध्यान भी उनके नारों से भीड़ पर गया और वे इस हंगामे को घूर रहे थे। तभी तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने भीड़ को शांत रहने का इशारा किया। इसके तुरंत बाद सिराज और सहायक कोच सितांशु कोटक गैलरी के पास गए और उन्होंने इन खेल प्रेमियों से शांति की अपील की। समर्थकों का गुस्सा साफ दिख रहा था। गंभीर के कार्यकाल में भारतीय टीम अपनी सरजमीं पर पांच टेस्ट हार चुकी है।

दक्षिण अफ्रीका से हार का भारी झटका : डब्ल्यूटीसी तालिका में भारत फिसला, पाकिस्तान से भी पिछड़ा

GANDIV REPORTER

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका से मिली शर्मनाक हार के बाद भारत आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप तालिका में पांचवें स्थान पर खिसक गया है, जो पाकिस्तान से भी नीचे है। यह हार टेस्ट क्रिकेट में रनों के हिसाब से भारत की सबसे बड़ी हार है, जिससे डब्ल्यूटीसी 2025-27 में दक्षिण अफ्रीका की स्थिति मजबूत हुई है।

बुधवार को घरेलू मैदान पर दक्षिण अफ्रीका से शर्मनाक श्रृंखला हारने के बाद भारत आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) की अंक तालिका में पांचवें स्थान पर खिसक गया है। 2000 के बाद यह दूसरी बार है जब उन्होंने देश में टेस्ट श्रृंखला जीती है। इस बीच, आईसीसी के अनुसार, 408 रनों से हार भारत की टेस्ट क्रिकेट में रनों के अंतर से सबसे बड़ी हार है। इस जीत ने आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 की अंक तालिका में दक्षिण अफ्रीका की स्थिति को और मजबूत कर दिया है। गत चैंपियन अपने चार टेस्ट मैचों में 36 अंकों के साथ ऑस्ट्रेलिया के ठीक पीछे दूसरे स्थान पर है। उनका अंक प्रतिशत (पीसीटी) 66.67 से बढ़कर 75 हो गया है। उन्होंने तीन टेस्ट जीते हैं और सिर्फ एक हारा है।

दूसरी ओर, भारत अंक तालिका में चौथे स्थान पर काबिज पाकिस्तान से नीचे खिसक गया है, और अब वह पांचवें स्थान पर है, जिसका पीसीटी 48.15 पर आ गया है, जिसमें चार हारे, चार जीते और एक ड्रॉ रहा है। पहले दिन 247/6 के स्कोर के साथ धीमी शुरूआत के बाद, ऑलराउंडर सेनुरन मुथुसामी (109) के पहले टेस्ट शतक और मार्को जेनसन (91 गेंदों में 93 रन, छह चौकों और सात छक्कों की मदद से) की जोरदार पारी ने निचले क्रम में महत्वपूर्ण योगदान दिया और प्रोटियाज को पहली पारी में 489 तक पहुंचाया। कुलदीप यादव (4/115) भारत के शीर्ष गेंदबाज रहे।

जेनसन ने गेंद से अपना जादू जारी रखा और 6/48 के आंकड़े हासिल किए, जिससे मेजबान टीम केवल 201 रन पर ढेर हो गई। यशस्वी जायसवाल (97 गेंदों में 58 रन, छह चौकों और एक छक्के की मदद से) और वाशिंगटन सुंदर (92 गेंदों में 48 रन, दो चौकों और एक छक्के की मदद से) के अर्धशतकों ने उल्लेखनीय प्रतिरोध पेश किया।

चैंपियंस लीग : चेल्सी और लेवरकुसेन ने बार्सिलोना-मैन सिटी को किया पस्त

GANDIV REPORTER

नई दिल्ली। चैंपियंस लीग के मुकाबलों में कई बड़े क्लबों को उम्मीद से अलग नतीजों का सामना करना पड़ा है। मौजूद जानकारी के अनुसार बार्सिलोना और मैनचेस्टर सिटी की हार ने इस राउंड को काफी रोमांचक बना दिया है। दोनों टीमों की डिफेंसिव खेल की गलतियां भारी पड़ीं और विपक्षी टीमों ने मौके का पूरा फायदा उठाया है। बता दें कि बार्सिलोना को स्टैमफोर्ड ब्रिज में चेल्सी ने 3-0 से हराकर लीग-फेज में अपनी तीसरी जीत दर्ज की है। बार्सिलोना पहले से ही दबाव में था और मैच के ठीक पहले हाफ खत्म होने से पहले रोनाल्ड अराउजो को दूसरा येलो कार्ड मिलने के बाद टीम 10 खिलाड़ियों के साथ रह गई। गौरतलब है कि चेल्सी ने शुरूआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और 27वें मिनट में जूल्स कुंडे के ओन-गोल से बढ़त हासिल की। इसके बाद एस्टेवाओ ने 55वें मिनट में बेहतरीन गोल किया और 73वें मिनट में लियाम डेलैप ने नजदीकी दूरी से तीसरा गोल दागकर जीत पक्की की है।

दूसरी ओर, मैनचेस्टर सिटी को बायर लेवरकुसेन ने 2-0 से हराकर चौंकाया है। यह मैच पेप गार्डियोला के सिटी के साथ 100वें चैंपियंस लीग मैच के रूप में भी खास था। मौजूद जानकारी के अनुसार गार्डियोला ने शनिवार को न्यूकैसल के खिलाफ मिली हार के बाद अपनी शुरूआती टीम में 10 बदलाव किए थे, लेकिन यह रणनीति उलटी पड़ गई। लेवरकुसेन ने अपने तेज ट्रांज़िशन से सिटी की रक्षा को कई बार तोड़ा और 23वें मिनट में एलेजांद्रो ग्रिमाल्डो ने पहला गोल दागा। 54वें मिनट में पैट्रिक शीक ने हेडर के जरिए दूसरा गोल कर जीत सुनिश्चित की है।

दक्षिण अफ्रीका से हार के बाद अश्विन का ऋषभ पंत पर तीखा तंज

जब तक जिम्मेदारी नहीं लेंगे, कुछ नहीं बदलेगा

GANDIV REPORTER

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 0-2 से टेस्ट सीरीज हार के बाद, रविचंद्रन अश्विन ने ऋषभ पंत के खेल की सराहना करते हुए उनके गैर-जिम्मेदाराना शॉट चयन पर चिंता जताई है, जिससे उन्हें अधिक जिम्मेदारी लेने की आवश्यकता है। अश्विन ने पंत को एक 'एक्स-फैक्टर' खिलाड़ी बताया, लेकिन उनके निरंतर प्रदर्शन के लिए आत्म-सुधार और अधिक सतर्क दृष्टिकोण की मांग की, विशेषकर कार्यवाहक कप्तान के रूप में।

पूर्व भारतीय दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने ऋषभ पंत की बल्लेबाजी कौशल की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनका खेल और डिफेंस शानदार है। हालाँकि, उन्होंने पंत के लापरवाह शॉट चयन पर भी निराशा व्यक्त की, जिसके कारण अक्सर उन्हें आउट होना पड़ता है। अश्विन का मानना है कि पंत एक बहुत अच्छे खिलाड़ी हैं और उनमें महत्वपूर्ण प्रभाव डालने की क्षमता है, लेकिन उन्हें अधिक ज़िम्मेदारी लेने और अपने शॉट्स के साथ अधिक सावधान रहने की आवश्यकता है।

यह बात भारत को दूसरे टेस्ट में दक्षिण अफ्रीका से 408 रनों से मिली शर्मनाक हार के बाद आई है, जिसके परिणामस्वरूप श्रृंखला 0-2 से हार गई। अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल ऐश की बात पर कहा कि जब ऋषभ पंत बल्लेबाजी करते थे तो ड्रेसिंग रूम में मेरी धड़कनें तेज हो जाती थीं। उनका खेल और डिफेंस शानदार है, इसलिए मुझे हमेशा आश्चर्य होता है कि वह ऐसे शॉट क्यों खेलते हैं। मैं अब भी कहूँगा कि वह एक बहुत अच्छे खिलाड़ी हैं, और जिस दिन वह ज़िम्मेदारी लेंगे, चीजें बदलने लगेंगी। मैं उनके एक्स-फैक्टर से इनकार नहीं करता। नाथन एस्टल ने एक बार क्राइस्टचर्च में 200 के करीब रन बनाए थे। उन्होंने आगे कहा कि लेकिन उसके बाद वह हर टेस्ट में एक जैसा नहीं खेला। इसी तरह, बल्लेबाज हर बार एक जैसा नहीं खेल सकते।

अहमदाबाद को मिली कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 की मेजबानी, 20 साल बाद मिला बड़ा अवसर

GANDIV REPORTER

नई दिल्ली। अहमदाबाद को 2030 में शताब्दी राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी मिली है, जो 20 साल बाद भारत को इस प्रतिष्ठित आयोजन का अवसर प्रदान करता है, जिससे देश की खेल क्षमता और सांस्कृतिक समृद्धि का प्रदर्शन होगा। ग्लासगो में 74 सदस्य देशों की पुष्टि के साथ, यह निर्णय राष्ट्रमंडल खेल आंदोलन के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है, जो गुजरात की विविध विरासत का प्रतिनिधित्व करेगा।

भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने बुधवार को कहा कि अहमदाबाद को 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी के लिए औपचारिक रूप से मंजूरी दे दी गई है। आईओए के एक बयान में कहा गया है, भारत के अहमदाबाद (जिसे अहमदाबाद के नाम से भी जाना जाता है) को आज औपचारिक रूप से 2030 में शताब्दी राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी के लिए मंजूरी दे दी गई है, जो राष्ट्रमंडल खेल आंदोलन के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है। भारत ने पिछली बार 2010 में दिल्ली में राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी की थी। ग्लासगो में आज हुई राष्ट्रमंडल खेल महासभा में 74 राष्ट्रमंडल सदस्य देशों और क्षेत्रों के प्रतिनिधियों द्वारा भारत की दावेदारी की पुष्टि के बाद, यह निर्णय इस बात की पुष्टि करता है कि दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश इन खेलों के ऐतिहासिक संस्करण का आयोजन करेगा। भारत ने 2030 के खेलों के लिए एक आकर्षक दृष्टिकोण प्रस्तुत किया, जिसका केंद्र गुजरात के अहमदाबाद शहर में होगा, जो ग्लासगो 2026 द्वारा रखी गई नींव पर आधारित होगा, जिससे भारत शताब्दी समारोह को शानदार ढंग से मना सकेगा। अहमदाबाद को 2030 राष्ट्रमंडल खेलों का मेजबान घोषित किए जाने के बाद, 20 गरबा नर्तक और 30 भारतीय ढोल वादक महासभा हॉल में पहुंचे और प्रतिनिधियों को एक समृद्ध सांस्कृतिक प्रदर्शन से आश्चर्यचकित कर दिया, जिससे उन्हें उस विरासत और गौरव का एहसास हुआ जिसकी उम्मीद एथलीट और प्रशंसक भारतीय राज्य गुजरात में आयोजित खेलों से कर सकते हैं। गरबा एक नृत्य है जिसकी उत्पत्ति गुजरात में हुई थी और इस प्रदर्शन में ग्लासगो के भारतीय समुदाय के सदस्यों और राष्ट्रमंडल के अन्य हिस्सों के लोगों ने भाग लिया, जो ग्लासगो 2026 राष्ट्रमंडल खेलों से शताब्दी संस्करण तक की यात्रा शुरू करने के आंदोलन में विविधता और एकता दोनों का प्रदर्शन था।

पूर्व मिस इंडिया विनर सेलिना जेटली का पति पर डोमेस्टिक वायलेंस का आरोप

50 करोड़ के हजार्ने की मांग, मामला कोर्ट पहुंचा

पूर्व एक्टर और मॉडल सेलिना जेटली ने 25 नवंबर को मुंबई के अंधेरी कोर्ट में ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट के सामने अपने पति, होटल मालिक पीटर हाग के खिलाफ घरेलू हिंसा से महिलाओं के संरक्षण एक्ट की धारा 12 के तहत घरेलू हिंसा का केस किया है।

पूर्व मिस इंडिया विनर, मिस यूनिवर्स रनर-अप और पॉपुलर बॉलीवुड एक्ट्रेस सेलिना जेटली हाग ने अपने पति, पीटर हाग, जो ऑस्ट्रिया के नागरिक हैं, के खिलाफ डोमेस्टिक वायलेंस एक्ट के तहत केस किया है। अर्जी में आरोप लगाया गया है कि तीन लड़कों की 47 साल की मां ह्लउनके हाथों लगातार डोमेस्टिक वायलेंस का शिकार हुई हैं।ह्व सेलिना ने पीटर से 10 लाख रुपये महीने का मेंटेनेंस और 50 करोड़ रुपये का मुआवजा मांगा है।

शिकायत में क्या कहा गया है

शिकायत में क्या कहा गया है : कोर्ट के अधिकारियों के अनुसार, जेटली ने हाग पर घरेलू क्रूरता और इमोशनल परेशानी का आरोप लगाया है, और सुरक्षा, रहने के अधिकार और फाइनेंशियल राहत की मांग की है। कोर्ट ने मामले को मान लिया है, और खबर है कि हाग को एक नोटिस जारी किया गया है, जिनके बारे में माना जा रहा है कि वे अभी विदेश में रह रहे हैं।

हालांकि न तो सेलिना और न ही पीटर ने कोई पब्लिक स्टेटमेंट जारी किया है, लेकिन एक्टर के करीबी सूत्रों का कहना है कि कोर्ट जाने का फैसला ह्यलंबी पर्सनल मुश्किलोंह्व के बाद आया है। आने वाले हफ़्तों में इस केस की सुनवाई होने की उम्मीद है, और हाग के जवाब से कानूनी कार्रवाई का अगला रास्ता तय होगा।

शादी और बच्चे : सेलिना और हाग ने 2010 में शादी की थी, जिसे काफी हद तक एक शांत, लो-प्रोफाइल सेरेमनी बताया गया था। इस कपल के तीन बच्चे हैं, जिनमें जुड़वां लड़के भी शामिल हैं और उन्होंने अपनी ज़िंदगी भारत, दुबई और सिंगापुर के बीच बनाई थी। सालों तक, दोनों एक स्टेबल फैमिली लाइफ बनाए रखते दिखे, अक्सर साथ में घूमने और त्योहारों की झलकियाँ पोस्ट करते रहे। इसलिए, यह कानूनी झगड़ा उन फैन्स के लिए एक शॉक की तरह है, जिन्होंने उनके अच्छे लगने वाले सफर को फॉलो किया था।

कब हुई थी सेलिना-पीटर की शादी?

सेलिना जेटली ने फिल्म ह्यनो एंट्री, गोलमाल रिटर्न्स, थैंक यू, अपना सपना मनी मनी और ह्यमनी है तो हनी है जैसी सुपरहिट फिल्मों में काम किया है। हालांकि, इसके बाद उन्होंने फिल्मों से दूरी बना ली और साल 2011 में ऑस्ट्रियाई बिजनेसमैन और होटल बिजनेसमैन पीटर से शादी कर ली थी। साल 2012 में वो जुड़वां बेटों के पेरेंट्स बने, जिनका नाम उन्होंने विंस्टन और विराज रखा। उन्होंने 2017 में दो और जुड़वां बेटों शमशेर और आर्थर को जन्म दिया। हालांकि, शमशेर का हार्ट की बीमारी की वजह से निधन हो गया।

कैसे हुई थी सेलिना और पीटर की मुलाकात?

कथित तौर पर सेलिना और पीटर की पहली मुलाकात एक भारतीय फैशन ब्रांड के एक इवेंट के दौरान दुबई में हुई थी, जिसका सेलिना प्रचार कर रही थीं। एक फैमिली फ्रेंड ने उनका परिचय कराया। एनडीटीवी को दिए एक पुराने इंटरव्यू में, उन्होंने कहा था, ह्यहह एक शानदार लाउंज में एक फैमिली इवेंट था और पीटर को भी इसमें आमंत्रित किया गया था। जब मैंने पहली बार पीटर को देखा, तो मेरे अंदर एक गहरी पहचान हुई। दरअसल हमने एक-दूसरे से बात नहीं की, लेकिन जैसे ही वो अंदर आए, मुझे पता चल गया कि वो मेरे पति हैं, हालांकि हम पहले कभी मिले नहीं थे।

बॉलीवुड एक्ट्रेस, मिस इंडिया और मिस यूनिवर्स रनर-अप सेलिना जेटली ने अपने 44वें बर्थडे के एक दिन बाद अपने ऑस्ट्रियाई पति पीटर हाग पर गंभीर आरोप लगाए हैं। सेलिना ने अंधेरी, मुंबई स्थित कोर्ट में शिकायत दर्ज कराते हुए कहा है कि वो लंबे समय से इमोशनल, फिजिकल, सेक्सुअल और वर्बल अब्यूज झेलती रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सेलिना ने इनकम और प्रॉपर्टी के नुकसान के मुआवजे के साथ-साथ 50 करोड़ रुपए का हजार्ना भी मांगा है। सेलिना ने खुद अपने इंस्टाग्राम पर इस मामले के बारे में एक बयान जारी इसका खुलासा किया है।

अंडरवर्ल्ड ड्रग्स केस में सिद्धांत कपूर का नाम श्रद्धा कपूर के भाई से पांच घंटे की पूछताछ!

श्रद्धा कपूर के भाई सिद्धांत कपूर एक बार फिर भगोड़े अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम से जुड़े एक हाई-प्रोफाइल ड्रग जब्ती केस की वजह से सुर्खियों में आ गए हैं। एक्टर-डायरेक्टर घाटकोपर में मुंबई के एंटी-नारकोटिक्स सेल के सामने पेश हुए, जहाँ उनसे घंटों पूछताछ हुई, क्योंकि कथित तौर पर एक मुख्य आरोपी से पूछताछ के दौरान उनका नाम सामने आया था। अब कई सेलिब्रिटीज को समन भेजे जाने के साथ, इस केस ने एंटरटेनमेंट और फैशन सर्किट में चल रहे कथित ड्रग नेटवर्क के बारे में नई बातचीत शुरू कर दी है। अधिकारियों ने बताया कि अभिनेता शक्ति कपूर के पुत्र और अभिनेत्री श्रद्धा कपूर के भाई सिद्धांत अपना बयान दर्ज कराने के लिए यहां मादक पदार्थ रोधी प्रकोष्ठ (एएनसी) की घाटकोपर इकाई में पहुंचे। अधिकारियों ने अधिक जानकारी दिए बिना बताया कि अभिनेता-निर्देशक से करीब पांच घंटे तक पूछताछ की गई, जिसके बाद उन्हें जाने दिया गया। एएनसी ने इन्फ्लुएंसर ओरहान अवत्रामणि उर्फ ओरी को इसी मामले में बयान दर्ज कराने के लिये 26 नवंबर को तलब किया है। मादक पदार्थ रोधी प्रकोष्ठ की घाटकोपर इकाई ने बॉलीवुड की दो हस्तियों को समन भेजा, क्योंकि उनके नाम 252 करोड़ रुपये के मेफेड्रोन जब्ती मामले के मुख्य आरोपी मोहम्मद सलीम मोहम्मद सुहैल शेख से पूछताछ में सामने आए थे। पुलिस के अनुसार, शेख ने दावा किया था कि कुछ फिल्मी और फैशन जगत की हस्तियों, एक राजनेता और भगोड़े गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम के एक रिश्तेदार ने भारत तथा विदेश में उसके द्वारा आयोजित रेव पार्टियों में हिस्सा लिया था।

सिद्धांत का पुराना ड्रग केस

दिग्गज एक्टर शक्ति कपूर के बेटे और श्रद्धा कपूर के भाई सिद्धांत कपूर को इससे पहले 2022 में बेंगलुरु में ड्रग्स लेने के आरोप में हिरासत में लिया गया था। उस घटना ने कुछ समय के लिए लोगों का ध्यान खींचा था, लेकिन इसके लंबे समय तक चलने वाले कानूनी नतीजे नहीं हुए। जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ेगी, एएनसी से उम्मीद है कि वह और लोगों से पूछताछ करेगी जिनके नाम पूछताछ के दौरान सामने आ सकते हैं।

कुर्ता कनेक्शन पर भरत दाभोलकर का अनोखा किस्सा, धर्मेंद्र के कपड़े पहनकर बने स्टार

प्रसिद्ध विज्ञापन पेशेवर और अभिनेता भरत दाभोलकर ने बॉलीवुड आइकन धर्मेंद्र के साथ अपने कुर्ता कनेक्शन को याद किया। मराठी रंगमंच और फिल्मों में भी काम कर चुके दाभोलकर ने धर्मेंद्र के साथ अपने जुड़ाव को याद करने करते हुए सोशल मीडिया के जरिए कहा कि वह उनसे कभी नहीं मिले।

प्रसिद्ध विज्ञापन पेशेवर और अभिनेता भरत दाभोलकर ने बॉलीवुड आइकन धर्मेंद्र के साथ अपने कुर्ता कनेक्शन को याद किया। मराठी रंगमंच और फिल्मों में भी काम कर चुके दाभोलकर ने धर्मेंद्र के साथ अपने जुड़ाव को याद करने करते हुए सोशल मीडिया के जरिए कहा कि वह उनसे कभी नहीं मिले। दाभोलकर (56) ने फेसबुक पर लिखा, वर्षों पहले, प्रसिद्ध फोटोग्राफी निर्देशक सतीश भाटिया सर ने मुझे अपने मराठी टीवी धारावाहिक घरो घारी

में प्रतिभाशाली सविता प्रभुणे के साथ मुख्य भूमिका दी थी।

दाभोलकर ने कहा, एक रात, उन्होंने मुझे फोन किया और कहा कि कल हम एक बेडरूम सीन शूट कर रहे हैं, इसलिए अपने नाइटवियर साथ ले जाना। मैं अपना सफेद कुर्ता और लुंगी साथ ले गया, लेकिन मुझे बताया गया कि सफेद कुर्ता टीवी पर नहीं चलेगा, क्योंकि इससे तस्वीर धुंधली हो जाती है। दाभोलकर ने बताया कि ऋषिकेश मुखर्जी के साथ काम कर चुके और यूनिट के कॉस्ट्यूम विभाग के प्रभारी भोसले दादा ने कहा कि उनकी पेटी में मुखर्जी की फिल्मों में धर्मेंद्र द्वारा पहने गए कुछ रंगीन कुर्ते हैं।

उन्होंने कहा, मुझे बड़े सम्मान के साथ धर्मेंद्र का कुर्ता दिया गया। वह बहुत ज्यादा टाइट था। दाभोलकर ने कहा, जब मैंने भोंसले दादा को बताया, तो उन्होंने मुझे हैरानी के साथ देखा और मेरे निंदनीय बयान पर आश्चर्य जताते हुए कहा, धरम जी का है, किसी को भी होना चाहिए। दाभोलकर ने पोस्ट में लिखा, धर्मेंद्र जी मैंने आपका कुर्ता पहना था, इसलिये हमारा एक-दूसरे से संबंध है।

प्रेग्नेंट कैटरीना कैफ की प्राइवेट तस्वीरें लीक होने पर बवाल, सोनाक्षी सिन्हा ने

अभिनेत्री कैटरीना कैफ की गर्भावस्था के दौरान उनके घर से खींची गई निजी तस्वीरें मीडिया द्वारा प्रकाशित करने से प्राइवेसी उल्लंघन का गंभीर मामला सामने आया है। इस गैर-जिम्मेदाराना पत्रकारिता पर सोनाक्षी सिन्हा सहित कई लोगों ने कड़ी आपत्ति जताई, जिसने मीडिया की नैतिक सीमाओं पर सवाल खड़े कर दिए। यह घटना सेलिब्रिटी की व्यक्तिगत निजता के अधिकार पर नई बहस छेड़ गई है।

अपने पहले बच्चे का स्वागत करने की तैयारी कर रहीं अभिनेत्री कैटरीना कैफ और उनके पति विक्की कौशल लगातार चर्चा में हैं। इसी बीच, उनकी निजी जिंदगी से जुड़ा एक बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। दरअसल, कुछ मीडिया ने कैटरीना के घर की बालकनी से उनकी चोरी-छिपे तस्वीरें खींचकर ऑनलाइन शेयर कर दीं। इस निजता के हनन से उनके फैंस में भारी गुस्सा फैल गया। अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा ने भी इस हरकत की कड़ी निंदा की और संबंधित मीडिया पोर्टल पर कड़ा एक्शन लेने की मांग की। शुक्रवार सुबह, एक मीडिया पोर्टल ने होने वाली मां कैटरीना कैफ की उनके मुंबई वाले घर की बालकनी में बैठी हुई तस्वीरें शेयर कर दीं। इन तस्वीरों के साथ, पोर्टल ने लिखा, एक्सक्लूसिव, कैटरीना कैफ अपनी डिलीवरी की तारीख नजदीक आते ही बालकनी में निकलीं। इन तस्वीरों ने सोशल मीडिया पर लोगों को बहुत नाराज कर दिया। कई लोगों ने इस प्रकाशन की कड़ी आलोचना की और उन पर नैतिक सीमाएं लांघने का आरोप लगाया।

बाहुबली : द एपिक रिव्यू! बड़े पर्दे पर फिर छा गया प्रभास का जादू?

बाहुबली द एपिक एस.एस . राजामौली की बाहुबली गाथा का एक संपादित संस्करण है, जो मूल 7 घंटे की कहानी को 3.5 घंटे में समेटता है। जहां प्रभास की भव्यता और दमदार अभिनय बरकरार है, वहीं प्रेम प्रसंगों और गानों के महत्वपूर्ण कट ने मूल कथा की कुछ लय को प्रभावित किया है, जिससे यह अनुभव उन दर्शकों के लिए अलग हो सकता है जिन्होंने दोनों मूल फिल्में देखी हैं। यह फिल्म समीक्षा बताती है कि बड़े पर्दे पर राजामौली के विजन को फिर से देखना एक अनुभव है, भले ही कुछ दृश्यों की कमी महसूस हो।

बाहुबलीः द एपिक दो भागों वाली भारतीय फिल्म गाथा का संयुक्त आख्यान है, जिसमें बाहुबलीः द बिगिनिंग और बाहुबलीः द कन्क्लूजन की भव्यता और नाटकीयता को एक महाकाव्य में पिरोया गया है। बाहुबली अपनी भव्यता और वैभव के लिए जानी जाती है। कई दर्शक, जो बाहुबली की दोनों या दोनों फिल्मों को सिनेमाघरों में नहीं देख पाए थे, आखिरकार बड़े पर्दे पर देख पा रहे हैं। चूँकि आप में से ज्यादातर लोग फिल्म देख चुके हैं, तो सवाल यह हैः क्या प्रभास अभिनीत यह फिल्म फिर से देखने लायक है? क्या इसमें कुछ एडिट या कुछ नए सीन जोड़े गए हैं? आइए जानते हैं।

बाहुबली का यह नया संस्करण दो फिल्मों को एक साथ मिला देता है और मूल रूप से संयुक्त पांच घंटे के रनटाइम में से 80+ मिनट कम कर देता है। राजामौली की अक्सर रोमांचकारी मैक्सिममिस्ट तमाशा को बड़े पर्दे पर दोबारा देखने का मौका मिलने पर यह एक उचित व्यापार लग सकता है। दुर्भाग्य से, जबकि बाहुबलीः द एपिक का पिछला आधा हिस्सा मूल बाहुबली 2ः द कन्क्लूजन की लय और अलग-अलग हिस्सों को बरकरार रखता है, गायब फुटेज राजामौली की विशाल, एपिसोडिक कथा को कम कर देता है।

बाहुबली : महाकाव्य कथा

एसएस राजामौली ने बाहुबलीः द बिगिनिंग (2015) और बाहुबली 2ः द कन्क्लूजन (2017) को एक भव्य और मनमोहक सिनेमाई सफर में सहजता से पिरोया। इस बार भी, शक्ति-प्रदर्शन और भव्यता बड़े पर्दे पर छाई हुई है। अमरेंद्र बाहुबली (प्रभास), एक शक्तिशाली योद्धा और राजा, छल और राजनीति का शिकार हो जाता है और अपने प्रिय मामा कटप्पा (सत्यराज) द्वारा मारा जाता है। जो लोग इस बारे में नहीं जानते, उनके लिए यह सबसे ज्यादा मीम किए जाने वाले सवाल को जन्म देता हैः कटप्पा ने बाहुबली को क्यों मारा? अगर आपने अभी तक फिल्म नहीं देखी है, तो जानने का अच्छा समय है कि क्यों।

राजमाता शिवगामी देवी (राम्या कृष्णन) मरने से पहले अमरेंद्र के बेटे, महेंद्र बाहुबली (प्रभास द्वारा अभिनीत) को बचाने में कामयाब हो जाती हैं। अमरेंद्र बाहुबली का दुष्ट चचेरा भाई, राणा दग्गुबाती, राजगद्दी संभालता है और उसके राज्य महिष्मती को एक भयावह शहर में बदल देता है। वह अपने भाई की पत्नी देवसेना (अनुष्का शेट्टी) को मोहित कर लेता है, जो 25 साल से अपने बेटे की वापसी का इंतजार कर रही है, ताकि वह अपने पति की मौत का बदला ले सके और बुराई का नाश हो सके। तमन्ना भाटिया ने फिल्म में एक अहम भूमिका निभाई है। कहानी में और भी बहुत कुछ है, लेकिन आपको सबसे पहले यही जानना जरूरी है।

बाहुबली : महाकाव्य अभिनय

जब प्रभास लोहे का कवच और सिर पर सिंहासन पहने युद्ध के मैदान में कदम रखते हैं, तो आप चाहते हैं कि कोई उन्हें सिर्फ. महाकाव्य भूमिकाओं तक ही सीमित रहने के लिए कहे। उनकी निगाहें, व्यवहार, संवाद अदायगी, लुक, फिल्म की हर चीज प्रभास की चीखें निकालती है। फिल्म में राम्या कृष्णन से बेहतर शिवगामी कोई और नहीं हो सकती थी। उनकी आँखों ने ही सारा अभिनय कर दिया। प्रभास के बाद कटप्पा के रूप में सत्यराज की भूमिका फिल्म में सबसे दमदार भूमिकाओं में से एक थी। उनके बिना फिल्म की कहानी पूरी नहीं हो सकती थी। दुष्ट राजा भल्लालदेव के रूप में राणा दग्गुबाती आपको उनसे दिल से नफरत करने पर मजबूर कर देंगे। और जब कहानी का खलनायक ऐसा करने में कामयाब हो जाता है, तो आपको पता चलता है कि उसने अच्छा काम किया है।

फिल्म की दो प्रमुख अभिनेत्रियों, अनुष्का शेट्टी और तमन्ना भाटिया को संकट के समय बंद दरवाजों के पीछे छिपी राजकुमारियों के रूप में नहीं दिखाया गया था। राजामौली की फिल्मों में, महिलाओं को हमेशा सशक्त और खुद बुराई से निपटने के लिए तैयार दिखाया जाता है।

बाहुबली : द एपिक में निमार्ताओं ने क्या संपादित किया है?

दोनों बाहुबली फिल्मों के हर दृश्य को प्रतिष्ठित कहा गया है। तो, निमार्ताओं ने लगभग 7 घंटे की फिल्म को 3.5 घंटे में संपादित करने का फैसला कैसे किया? यह एक मुश्किल फैसला था। लेकिन एसएस राजामौली ने अपनी सिनेमाई प्रतिभा को फिल्म में पिरोया और बड़ी चतुराई से संपादित अंशों को शामिल किया जिन्हें अब विस्तारित रूप की आवश्यकता नहीं थी। उदाहरण के लिए, प्रभास और तमन्ना भाटिया के बीच की प्रेम कहानी, टैटू वाला दृश्य, बाहुबलीः द बिगिनिंग का एक प्रमुख तत्व था। निमार्ताओं ने चतुराई से अपनी प्रेम कहानी को एक वर्णन के साथ संक्षिप्त कर दिया, हालाँकि, धीवर गीत को बरकरार रखा।

दूसरे भाग में प्रभास और अनुष्का शेट्टी की प्रेम कहानी के कई तत्वों को भी संपादित किया गया था। नोरा फतेही अभिनीत मनोहारी और कान्हा सो जा जरा के गाने भी फिल्म से हटा दिए गए थे।